पेज : 1

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

सबसे बड़ी खबर

भत्य खबर

RNI No.- DELHIN/2016/68043

नई दिल्ली संस्करण, नई दिल्ली, बुधवार , 28 मई 2025, वर्ष : 9, अंक : 63 पृष्ठ : 08, मूल्य : 02 रुपया

नई दिल्ली से प्रकाशित व दिल्ली, एनसीआर, यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखण्ड, महाराष्ट्र, गुजरात में प्रसारित

सरकार ने बना लिया 44000 करोड़ का प्लान

अब न आकाश, न समंदर, भारत पर हमला नहीं कर पाएंगे चीन-पाकिस्तान!

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारतीय वायुसेना और थल सेना ने जिस तरह से दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब दिया, उसने दुनिया को भारत की सैन्य ताकत का अंदाज़ा करा दिया। अब सरकार समुद्री सुरक्षा को भी नई धार देने जा रही है। चीन और पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों से बढ़ते खतरे को देखते हुए केंद्र सरकार ने भारतीय नौसेना को और मजबूत करने का फैसला लिया है। इसी दिशा में रक्षा मंत्रालय ने 44,000 करोड़ रुपये की लागत से 12 माइन काउंटरमेजर वेसल्स यानी 'बारूदी सुरंग खोजी और नष्ट करने वाले युद्धपोत' बनाने की योजना को हरी झंडी दिखा दी है।

समुद्र की चुप्पी में छिपे खतरे होंगे खत्म- इन विशेष युद्धपोतों की सबसे बड़ी ताकत यह होगी कि ये समुद्र की गहराइयों में दुश्मन द्वारा बिछाई गई बारूदी सुरंगों को ढूंढने और उन्हें निष्क्रिय करने में सक्षम होंगे। भारत की विशाल 7,500 किलोमीटर लंबी तटरेखा और सैकड़ों पोर्ट्स की सुरक्षा के लिए ऐसे जहाज अब ज़रूरत बन चुके हैं।

भारत में ही होगा निर्माण, मेक इन इंडिया को मिलेगा बढ़ावा- सरकार ने यह तय किया है कि इन 12 एमसीएमवी को पूरी तरह से भारतीय शिपयार्ड्स में ही बनाया जाएगा। इससे ना सिर्फ नौसेना की ताकत बढ़ेगी, बल्कि आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी मजबूत प्रोत्साहन मिलेगा। यह परियोजना लंबे समय से ठप पड़ी थी, लेकिन अब इसे दोबारा शुरू किया जा रहा है।

7-8 साल में बनकर तैयार होंगे पहले युद्धपोत- रक्षा मंत्रालय जल्द ही इस परियोजना को डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल के समक्ष प्रस्तुत करेगा। एसेप्टेंस ऑफ नेसेसिटी मिलते ही टेक्नो-कमर्शियल बिड्स मंगाई जाएंगी और अनुबंध पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। इसके बाद पहला पोत तैयार होने में लगभग 7 से 8 साल का समय लगेगा।

समुद्री सीमा की सुरक्षा होगी और सख्त- विशेषज्ञों के मुताबिक, यह परियोजना रणनीतिक रूप से बेहद अहम है, खासकर तब जब चीन की पनडुब्बियां और पाकिस्तान की युआन-क्लास डीजल-इलेक्ट्रिक सबमरीन लगातार भारत के समुद्री हितों के लिए खतरा बनी हुई हैं। ऐसे में माइन काउंटरमेजर वेसल्स की तैनाती भारत को समुद्री मोर्चे पर और अधिक सक्षम बनाएगी।

● भारतीय नौसेना के पास नहीं है एक भी एमसीएमवी

फिलहाल भारतीय नौसेना के पास एक भी समर्पित माइन हंटर पोत मौजूद नहीं है। पहले मौजूद करवार और पॉन्डिचेरी क्लास के पोत रिटायर हो चुके हैं। अब कुछ गिने-चुने जहाजों पर क्लिप-ऑन माइन काउंटरमेजर सुइट्स लगे हैं, लेकिन ये देश की समग्र समुद्री सुरक्षा के लिहाज़ से काफी नहीं हैं।

पति-पत्नी के विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने दी गजब की सलाह- तलाक से पहले एक डिनर डेट तो बनती है

नईदिल्ली (एजेंसी)। 26 मई 2025 को सुप्रीम कोर्ट में एक ऐसा मामला सामने आया जिसने न सिर्फ न्यायालय की संवेदनशीलता को उजागर किया बल्कि यह भी दिखाया कि कानून के साथ-साथ रिश्तों को बचाने की पहल भी की जा सकती है। यह मामला एक फैशन उद्यमी महिला और उसके पति से जुड़ा है, जो तलाक की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं और अपने तीन साल के बेटे की कस्टडी को लेकर भी कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने एक ऐसी सलाह दी जो कोर्ट की चारदीवारी से बाहर भी चर्चा का विषय बन गई।

कॉफी पर बहुत कुछ सुधर सकता है : सुप्रीम कोर्ट

कोर्ट ने दोनों पक्षों से कहा कि वो एक बार फिर आपस में बातचीत करें और कोशिश करें कि इस रिश्ते को पूरी तरह खत्म होने से पहले थोड़ी और कोशिश की जाए। जजों ने यहां तक कह दिया कि हमारी कैंटीन इसके लिए ठीक नहीं है, लेकिन हम आपको एक और ड्रॉइंग रूम दे सकते हैं, जहां आप शांति से बात कर सकें।

यौन शोषण में बरी बृजभूषण का अयोध्या में स्वागत

● कहा- जो मेरा विरोध करेगा, भगवान उसे दंड देंगे, क्योंकि मैं हनुमानजी का भक्त

अयोध्या (एजेंसी)। नाबालिग पहलवान से यौन शोषण मामले में बरी होने के बाद बृजभूषण सिंह पहली बार अयोध्या पहुंचे। एयरपोर्ट पर 1000 से ज्यादा कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ उनका स्वागत किया। इसके बाद वे हनुमानगढ़ी मंदिर पहुंचे और हनुमान जी के दर्शन-पूजन किए।

बृजभूषण बोले- मैंने कहा था कि अगर मेरे ऊपर लगे आरोप साबित हो जाते हैं तो मैं खुद फांसी पर लटक जाऊंगा। कोर्ट के फैसले ने मेरी उस बात को सही साबित कर दिया। भूपेंद्र हुड्डा 11 बजे तक मुख्यमंत्री बनने वाले थे, लेकिन संत्री भी नहीं बन पाए। आम आदमी पार्टी का तो सत्यानाश हो गया।

मेरा जो भी विरोध करेगा, भगवान उसे दंड देंगे, क्योंकि मैं हनुमान जी का भक्त हूं। जो लोग मुझ पर आरोप लगा रहे थे, वही कभी मुझे 'कुश्ती का भगवान' कहते थे। एक गीत मैं उन्हीं लोगों के लिए कहना चाहता हूं- कभी पास आके वो इतना बता दें, मुझे सता कर क्या मिला?

देश की पहली महिला सीजेआई बनेंगी जस्टिस बी वी नागरत्ना

● कोर्ट्स ऑफ इंडिया का कन्नड़ अनुवाद किया, पिता भी सीजेआई रहे

नईदिल्ली (एजेंसी)। जस्टिस बी वी नागरत्ना सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम में शामिल होने वाली पहली महिला जज बन गई हैं। 23 मई को जस्टिस अभय श्रीनिवास ओका के रिटायरमेंट के चलते 25 मई को जस्टिस नागरत्ना सुप्रीम कोर्ट की 5वीं सबसे सीनियर जज बन गई।

सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम में 5 सबसे सीनियर जज ही रहते हैं, जिसमें सीजेआई यानी चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया भी शामिल होते हैं। भारत में सीजेआई की नियुक्ति वरिष्ठता के आधार पर होती है। ऐसे में बी वी नागरत्ना 11 सितंबर 2027 को भारत की 50वीं मुख्य न्यायाधीश बनेंगी। वो इस पद पर पहुंचने वाली पहली महिला होंगी। उनका कार्यकाल लगभग 1 महीने का होगा। वो 29 अक्टूबर 2027 को सीजेआई के पद से रिटायर होंगी।

सीजेआई के घर पैदा हुई, डीयू से लॉ की पढ़ाई की- नागरत्ना का जन्म 30 अक्टूबर 1962 को बेंगलुरु में जस्टिस ई. एस. वेंकेटरमैय्या के घर हुआ।

गुजरात में बोले पीएम मोदी

प्रथम गृह मंत्री पटेल की सलाह मान ली गई होती तो पहलगाम हमला कभी नहीं हो पाता

ऑपरेशन सिंदूर कैमरे के सामने किया, ताकि कोई सबूत न मांगे

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात दौरे पर गए प्रधानमंत्री मोदी ने आज बड़ा बयान देते हुए कहा कि अगर 1947 में देश के विभाजन के बाद प्रथम गृह मंत्री सरदार पटेल की सलाह मान ली गई होती तो पहलगाम हमला कभी नहीं हो पाता। पीएम ने कहा कि अगर पटेल साहब की बात मानी होती तो भारत के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियां रुक गई होतीं।

सरदार पटेल की सलाह नजरअंदाज की गई- गांधीनगर में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने दावा किया कि पाकिस्तान की ओर से कश्मीर पर कब्जा करने के लिए आक्रमण करने वाले मुजाहिद्दीन लड़ाकों से निपटने के बारे में पटेल की सलाह को कथित तौर पर नजरअंदाज कर दिया गया।

1947 में भारत माता के टुकड़े कर दिए गए- पीएम मोदी ने कहा, 1947 में भारत माता के टुकड़े कर दिए गए। जब जंजीरें काटनी चाहिए थीं, तब हाथ काट दिए गए। देश तीन टुकड़ों में बंट गया और उसी रात कश्मीर की धरती पर पहला आतंकी हमला हुआ। पाकिस्तान ने मुजाहिद्दीन के नाम पर आतंकियों की मदद से भारत माता के एक हिस्से पर कब्जा कर लिया।

- **आज गुजरात की तरक्की पूरी दुनिया देखती है-** पीएम ने कहा कि 2035 में जब गुजरात 75 साल का होगा, तो बहुत आगे बढ़ चुका होगा। जब गुजरात महाराष्ट्र से अलग हुआ तो चर्चा होती थी कि अलग होकर गुजरात क्या करेगा। तीनों तरफ समुद्र है। दूसरी तरफ पाकिस्तान है। गुजरात के पास कोई मिनरल्स नहीं, गुजरात तरक्की कैसे करेगा। लेकिन, आज गुजरात पूरी दुनिया में जाना जाता है।
- **गुजरात ने नमक से लेकर हीरे तक की यात्रा पूरी की-** मोदी ने कहा कि गुजरात ने नमक लेकर हीरे तक की यात्रा पूरी कर ली है। हमने योजनाबद्ध तरीके से कदम उठाए। हमारे सरकारी मॉडल की चर्चा पूरे देश में हो रही है। पहले गुजरात में पर्यटन के बारे में कोई बात नहीं करता था, लेकिन अब विदेशी लोग घूमने के लिए गुजरात आते हैं।
- **अभी तो गणेशजी भी विदेशी आ जाते हैं-** 2047 में जब भारत की आजादी के 100 साल पूरे हो जाएंगे, तो हम ये तय कर लें कि देश की इकोनॉमी को 4 नंबर से 3 नंबर पर ले जाने के लिए हम किसी विदेशी चीज का उपयोग नहीं करेंगे। हमें गांव-गांव जाकर व्यापारियों को ये शपथ दिलानी होगी कि कितना भी मुनाफा हो, वे विदेशी माल नहीं बचेंगे। लेकिन दुर्भाग्य देखिए, गणेशजी भी विदेशी आ जाते हैं। छोटी आंख वाले गणेशजी। होली पर रंग भी छिड़कना है तो विदेशी।

कांग्रेस बोली- प्रेम चोपड़ा की तरह डायलॉग मार रहे मोदी, गंभीर सवालों का जवाब नहीं दे रहे, उनके सांसद भी ओछी राजनीति कर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी) कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने पहलगाम आतंकी हमले में शामिल आतंकियों को न पकड़ पाने के लिए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश को अब तक कई महत्वपूर्ण सवालों के जवाब नहीं मिले, जिनमें से एक है कि पाकिस्तान के साथ किन शर्तों पर सीजफायर समझौता हुआ। मोदी इन अहम सवालों के जवाब की बजाय फिल्मी डायलॉगबाजी कर रहे हैं और उनके सांसद ओछी राजनीति कर रहे। पवन खेड़ा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा-सिंदूर मेरी रगों में बहता है, गोलियां खाओ, रोटियां खाओ जैसे डायलॉग बोल रहे थे। पीएम मोदी कभी प्रेम चोपड़ा की तरह तो कभी परेश रावल की तरह डायलॉग मार रहे हैं। कभी कहते हैं कि सिंदूर मेरी रगों में बहता है।

कोटा में 18 साल की नीट एस्पिरेंट ने सुसाइड किया

कमरे में नहीं लगा था एंटी-हैंगिंग डिवाइस; इस साल का 15वां सुसाइड

जयपुर (एजेंसी)। 18 साल की नीट एस्पिरेंट ने कोटा में सुसाइड कर लिया। छात्रा जम्मू-कश्मीर की रहने वाली थी और कोटा के प्रताप चौराहे स्थित पीजी में रहकर तैयारी कर रही थी। ये इस साल का कोटा में हुआ 15वां स्टूडेंट सुसाइड का मामला है।

रिश्तेदार को फोन कर कहा- सुसाइड कर रही हूं- महावीर नगर पुलिस स्टेशन के सर्किल इंस्पेक्टर रमेश कविया ने बताया, 'सुसाइड करने से पहले रविवार को छात्रा जीशान ने अपने किसी रिश्तेदार से बात की थी और बताया था कि वो शायद सुसाइड कर सकती है।' इसके बाद बुरहान नाम के उसके रिश्तेदार ने तुरंत पीजी में ही रहने वाली अन्य छात्रा ममता को फोन करके जीशान को देखने के लिए कहा था।

देश में कोरोना के 1047 एक्टिव केस, 11 की मौत

● महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 5 मौतें, एक हफ्ते में 787 नए मामले सामने आए

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोरोना वायरस के मामलों की संख्या 1047 हो गई है। सबसे ज्यादा 430 एक्टिव केस केरल में हैं। महाराष्ट्र में 208, दिल्ली में 104 और गुजरात में 83 केस हैं। कर्नाटक के 80 केसों में से सिर्फ 73 बेंगलुरु में हैं।

वहीं महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और मध्य प्रदेश में कुल 11 मरीजों की मौत हो चुकी है। इनमें से नौ की मौत एक हफ्ते के भीतर हुई है। कोरोना से सबसे ज्यादा पांच मौतें महाराष्ट्र में हुई हैं। ठाणे में सोमवार को एक महिला की मौत हुई।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के मुताबिक पिछले एक हफ्ते में 787 नए मरीज दर्ज किए गए हैं। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के डायरेक्टर डॉ राजीव बहल ने बताया कि अभी तक देश में 4 वैरिएंट मिले हैं। इनमें एलएफ.7, एक्सएफजी, जेएन.1 और एनबी.8.1 वैरिएंट शामिल हैं।

बारिश-बिजली से केरल और महाराष्ट्र में 5 की मौत

● लैंडस्लाइड से सैकड़ों घरों को नुकसान, मुंबई-ठाणे में आज बारिश का रेड अलर्ट

नई दिल्ली/मुंबई/भोपाल/लखनऊ (एजेंसी)। केरल में 24 मई को मानसून की दस्तक के बाद लगातार बारिश से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बारिश से जुड़ी घटनाओं में अब तक 4 लोगों की मौत हो गई है। बारिश-लैंडस्लाइड के चलते 29 घर ढह गए, 868 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। ट्रेनें देरी से चल रही हैं। निचले इलाके जलमग्न हैं।

मौसम विभाग ने मंगलवार को तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, अलाप्पुझा, कोट्टायम, इडुक्की, एर्नाकुलम, मलप्पुरम, कोझिकोड, कन्नूर और कासरगोड में भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। यहां बारिश के साथ 50 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने की आशंका है।

वहीं, महाराष्ट्र में सोमवार को दो लोगों की मौत हो गई। ठाणे में बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई। मुंबई में लगातार बारिश के कारण पेड़ गिरने की अलग-अलग घटनाओं में 26 साल के एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया।

मुंबई और ठाणे में आज भी भारी बारिश का अलर्ट है। मुंबई में सोमवार को मानसून ने तय समय से 16 दिन पहले दस्तक दी थी। पहले ही दिन अंधेरी, भांडुप, पवई में बारिश से सड़कों पर पानी भर गया। लोकल ट्रेन और फ्लाइट्स भी प्रभावित हुईं। वर्गी अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन में पानी भर गया।

मौसम विभाग के मुताबिक, देश के 14 राज्यों में मानसून पहुंच चुका है। तीन साइक्लोनिक सर्कुलेशन के एक्टिव होने की वजह से अगले चार दिन तक आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। आमतौर पर केरल में मानसून 1 जून और मुंबई में 11 जून को पहुंचता है।

मौसम विभाग ने आज हिमाचल प्रदेश में बारिश, आंधी-तूफान, बिजली और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है। 27-28 मई को शिमला, कुल्लू और मंडी जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। उधर, मध्य प्रदेश में तेज गर्मी रही और 6 जिलों में तेज बारिश भी हुई।

कार-ट्रक की टक्कर में दो भाइयों समेत 3 की मौत

गाड़ी में बुरी तरह फंस गए शव; मप्र से खाटूश्यामजी जा रहे थे

जयपुर (एजेंसी) जयपुर में ट्रक-कार की आमने-सामने की टक्कर में दो भाइयों समेत 3 की मौत हो गई। दो युवक गंभीर घायल हो गए। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार सवार बुरी तरह से फंस गए। बड़ी मशक्कत के बाद उन्हें निकाला गया। एक्सीडेंट मनोहरपुर-दौसा नेशनल हाईवे-148 पर रायसर थाना क्षेत्र में रतनपुरा गांव के पास मंगलवार दोपहर 2.45 बजे हुआ। कार सवार लोग रायबरेली (उत्तरप्रदेश) के रहने वाले थे। एएसपी जयपुर ग्रामीण नारायण लाल तिवाड़ी ने बताया- कार सवार युवक खाटूश्यामजी के दर्शन करने के लिए जा रहे थे। कार ओवर टेक करने के दौरान सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। कार सवार अजय यादव, उसका भाई अभय यादव और आकाश यादव की मौत हो गई। वहीं, शिवम मौर्य और शुभम शर्मा गंभीर घायल हो गए, जिनका निम्स अस्पताल में इलाज चल रहा है।

कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई- टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई। युवक कार में बुरी तरह फंस गए। हादसे के बाद आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे। आधे घंटे की मशक्कत के बाद कार में फंसे शवों और घायलों को बाहर निकाला गया। हादसे के बाद ड्राइवर ट्रक को मौके पर छोड़कर फरार हो गया।

आखिरकार बांग्लादेश की कमजोर नसों को कब दबाएगा भारत?

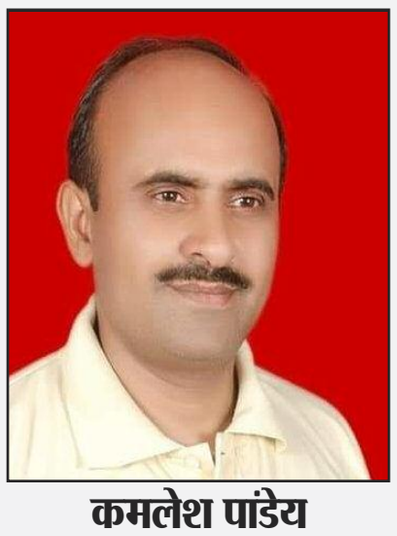

कमलेश पांडेय

स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश एक बार फिर से उबल रहा है, जिससे मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार अस्थिरता के बवंडर की ओर निरंतर बढ़ रही है। उनकी सेना से ही उनकी ऊटपटांग नीतियों का विरोध हो रहा है।

कभी 'ग्रेटर बंगलादेश' का स्वप्न संजोने वाले नोबेल पुरस्कार विजेता और बांग्लादेश के कार्यवाहक सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस अब अपने ही देश में ऐसे घिरे हैं कि जब उन्हें आगे का कोई रास्ता नजर नहीं आया तो फिर अपने जन्मदाता भारत पर ही अनर्गल लांछन लगाने लगे। वह अमेरिका, चीन, पाकिस्तान की गोद में खेलें, कोई बात नहीं लेकिन भारत और हिंदुओं से खेलेंगे तो अगले ऑपरेशन सिंदूर के लिए तैयार रहें। याद रखें, तब कोई बाप बचाने नहीं आएगा। हाल ही का बता दें कि अपनी पिछली चीन यात्रा के दौरान ही उन्होंने बढ़चढ़ कर "भारत के चिकेन नेक" पर काबिज होने, पश्चिम बंगाल-उत्तर-पूर्व बिहार और उत्तर-पूर्व के सात बहन राज्यों को मिलाकर ग्रेटर बांग्लादेश बनाने और नार्थ-ईस्ट राज्यों को लैंड लॉक्ड बताकर इलाकाई समुद्र का बेताज बादशाह होने का जो दिवास्वप्न उन्होंने देखा है, उसके मुताल्लिक भारत भी उन्हें दिन में ही तारे दिखाने की रणनीति बना चुका है। अब वो आगे बढ़ेंगे तो पीछे से भारत भी एक बार फिर बांग्लादेश का अंग भंग कर देगा! क्योंकि कभी पाकिस्तान से पूर्वी पाकिस्तान का अंग भंग करवाकर भारत ने ही जिस बांग्लादेश का निर्माण करवाया था, आज वही बांग्लादेश जब भारत को आंखें दिखाएगा तो अपने अंजाम को भी भुगतने को तैयार रहेगा। इस बात में कोई दो राय नहीं कि वहां की शेख हसीना सरकार की तख्तापलट के बाद महज 6 माह में ही परवर्ती कार्यवाहक सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस की अगुवाई में बांग्लादेश भारत विरोधी चीनी, पाकिस्तानी और अमेरिकी अखाड़े का अड्डा बन चुका है, जो उसके लिए शर्म की बात होनी चाहिए। यही वजह है कि इस विफल सरकार के खिलाफ अब वहां भी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, जिससे देश में अस्थिरता बढ़ रही है। ऐसे में यूनुस ने अपना सारा दोष भारत पर मढ दिया है। हालांकि भारत के पास उन्हें जवाब देने के लिए ऐसे-ऐसे विकल्प मौजूद हैं, जिससे उनके होश उड़ सकते हैं।पाकिस्तानी मंजर देख लें, अंजाम समझ लें और हो सके तो भारत के पड़ोस में बचकानी हरकत बंद कर दें। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश एक बार फिर से उबल रहा है, जिससे मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार अस्थिरता के बवंडर की ओर निरंतर बढ़ रही है। उनकी सेना से ही उनकी ऊटपटांग नीतियों का विरोध हो रहा है। जबकि उनकी सरकार के खिलाफ जनता द्वारा भी अविलंब चुनाव की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इससे मुल्क में तनाव का आलम व्याप्त हो चुका है। चूंकि इस विरोध प्रदर्शन में सरकारी कर्मचारी भी शामिल हो चुके हैं। इसलिए अपनी उल्टी गिनती शुरू होते देख मोहम्मद यूनुस अपनी नाकामियों को बिना नाम लिए भारत पर थोपने की कोशिश कर रहे हैं। वहां उनकी लापरवाही और अदूरदर्शिता से अब जो कुछ भी हो रहा है, उसके लिए 'विदेशी साजिश' को जिम्मेदार बता रहे हैं। जबकि, हकीकत ये है कि उन्हें सिर्फ चुनाव करवाने तक के लिए सरकार चलाने भर की जिम्मेदारी मिली है। लेकिन, जानकार बताते हैं कि वह चुनाव छोड़कर बाकी हर तरह के हथकंडे अपनाने में लगे हैं। बांग्लादेश की विदेश नीति, उसका संविधान, उसका इतिहास और यहां तक कि उसके जन्म की मूल अवधारणा तक को वो नकारने के लिए आत्मघाती दांव लगा रहे हैं। यही वजह है कि आज बांग्लादेशी फौज भी उनके विरोध में खड़ी हुई है। ऐसे में यह कहना गलत न होगा कि मोहम्मद यूनुस जब से बांग्लादेश की सत्ता में आए हैं, भारत के चीन और पाकिस्तान जैसे दुश्मनों के साथ झूम-झूम कर नाचने-गाने की कोशिश कर रहे हैं। यह भारत की वीरता है जो चुटकट्टो पर युद्ध के मैदान में भारी पड़ती है। ऐसे में जब वो अपने जन्मदाता की संप्रभुता और अखंडता को ही चुनौती देने लगेंगे तो भारत को भी देर-सबेर अपने सटीक विकल्प तलाशने पड़ेंगे। यदि भारत के राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के एक हालिया सकेसाक्षात्कार को देखें तो स्पष्ट प्रतीत होता है कि नागपुर मुख्यालय से भी मोदी सरकार को उसी तरफ इशारा किया गया है। मसलन, संघ के मुखपत्र ऑर्गेनाइजर और पांचजन्य में गत रविवार को छपे उनके एक इंटरव्यू के मुताबिक उन्होंने भारत के पड़ोस में 'बुराई को खत्म' करने के लिए शक्ति का इस्तेमाल करने की बात कही है, वह अब हमारी विदेश नीति का महत्वपूर्ण ध्येय बनने जा रहा है। उनके अनुसार जिन कुछ देशों में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है, वहां पर हिंदू समाज की ताकत का इस्तेमाल उनकी रक्षा के लिए किया जाना चाहिए। बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर अपने विचार रखते हुए संघ के सर संघचालक ने ठीक ही कहा है कि, "हमारी ताकत अच्छे लोगों की रक्षा और बुरे लोगों को नष्ट करने के लिए होनी चाहिए। जब कोई और चारा नहीं होता, तो बुराई को जबरदस्ती खत्म करना पड़ता है। इसलिए, हमारे पास शक्तिशाली बनने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है, क्योंकि हम अपनी सीमाओं पर बुरी ताकतों की बुराई देख रहे हैं।हमारा तात्पर्य यह है कि शायद जो बात मोहन भागवत ने खुलकर नहीं कहा, उसे असम के मुख्यमंत्री और पूर्वोत्तर के दिग्गज बीजेपी नेता हिमंत बिस्वा सरमा ने अधिक विस्तार से बताने की कोशिश की है, जो सराहनीय है। अगर यहां कोई रुकावट आती है, तो पूरा रंगपुर डिवीजन बांग्लादेश से कट सकता है। मतलब, रंगपुर का बाकी बांग्लादेश से संपर्क टूट जाएगा। तीसरा,यह है 28 किमी का चटगांव कॉरिडोर, जो साउथ त्रिपुरा से बंगाल की खाड़ी तक जाता है। यह कॉरिडोर भारत के 'चिकन नेक' से भी छोटा है। पर यह बांग्लादेश की आर्थिक राजधानी और राजनीतिक राजधानी को जोड़ने वाला एकमात्र रास्ता है। इससे साफ है कि बांग्लादेश के मौजूदा हालात, मोहम्मद यूनुस की ओर से सत्ता में बने रहने के लिए चलाए जा रहे खौफनाक एजेंडा की गवाही दे रहे हैं और भारत में अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए जो तल्ख विचार सामने आ रहे हैं, उससे भारतीयों को यह आस्वस्ति मिल रही है कि हमारा जवाब बहुत करारा होगा। वहीं, अगर हम त्रिपुरा के कुछ किलोमीटर तक नीच चले जाएं यानी चटगांव कॉरिडोर को भारत में मिला लें तो पूरे पूर्वोत्तर को जोड़ने वाला भारत का अपना समुद्र यहां भी हो जाएगा। देखा जाए तो यह सामरिक और आर्थिक रूप से बहुत ही फायदे का सौदा साबित होगा। क्योंकि भविष्य में मोहम्मद यूनुस की तरह के विचार वाले बांग्लादेश के किसी अन्य श-सक की भी आए तो आए दिन की होने वाली नौटंकी भी हमेशा के लिए खत्म की जा सकती है। इसके अलावा, हमें यह भी पता होना चाहिए कि बांग्लादेश के चटगांव से नीचे ही म्यांमार का रखाइन इलाका है, जहां पर रोहिंग्या मुसलमानों की गम्भीर समस्या है। इसका मतलब यह हुआ कि बांग्लादेश से चटगांव के कटते ही रोहिंग्या मुस्लिम समस्या खत्म हो सकती है। क्योंकि तब भारत इस इलाके को रोहिंग्या मुसलमानों को सौंप सकता है और भारत में जो रोहिंग्या घुसपैठिए आ गए हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं, उन्हें यहां पर स्थायी रूप से भेजा जा सकता है। क्योंकि यह उनका मूल इलाका है, जहां जाकर बसना उनके लिए भी आसान हो सकता है। इसके अलावा, म्यांमार के रखाइन से ही थोड़ा उत्तर-पूर्व में उसका चिन इलाका है, जो पहाड़ी क्षेत्र है और ईसाई (क्रिश्चियन) बहुल इलाका है, जो म्यांमार से अलग होना चाहता है। यह पहले से ही मिजोरम में मिलाए जाने की मांग कर रहे हैं। ऐसे में यदि भारत ने इस पूरे इलाके पर दबदबा कायम कर लिया तो पूर्वोत्तर की कई उग्रवादी समस्याओं का हल निकालना भी आसान हो सकता है। क्योंकि, विदेश की यह धरती अभी उग्रवादियों के लिए नर्सरी का काम करती है, जिसे नियंत्रित करना और खत्म करना भारत के हित में है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि 1971 में भारत, बांग्लादेश को पाकिस्तान से अलग करवाकर एक स्वतंत्र मुल्क के रूप में जन्म दे चुका है। इसलिए, ऊपर जो चार विकल्प दिए गए हैं, वह इसके लिए असंभव भी नहीं है। क्योंकि, मोहम्मद यूनुस के कार्यकाल में जिस तरह से बांग्लादेश फिर से पाकिस्तान की ओर झुक गया है और वहां पर आईएसआई की गतिविधियां बढ़ गई हैं, उसके दृष्टिगत भारत के लिए इस वास्तविकता को ज्यादा लंबे समय तक टालना आसान नहीं है। इसलिए भारत अपने भविष्य को महफूज रखने की नीति अपनाए तो क्षुद्र पड़ोसियों को खण्ड-खंड करके कमजोर कर दे। पाकिस्तान-बंगलादेश इसी के पात्र हैं और भारत को दृढ़तापूर्वक अपनी कार्रवाई व रणनीति को अंजाम देना चाहिए।-

संपादकीय

चुनावी तैयारी

अमृता आर. पंडित

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जातिगत जनगणना से विकास के विभिन्न क्षेत्रों में पीछे छूट गए लोगों की मदद की बात की। 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता और स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकी की सटीकता पर भी विचार रखे। सम्मेलन में मोदी के तीसरे कार्यकाल की पहली वषगाँठ और सुश-ासन के मुद्दों पर भी चर्चा की गई। जातिगत जनगणना को लेकर सरकार ने अचानक अपनी रणनीति बदली है। 1931 के बाद देश में जातिगत जनगणना नहीं हुई, तब पिछड़ी जातियां 52% थीं। जाति आधारित राजनीति के पांव जमाने से पहले आजादी के तुरत बाद 1951 से दलितों व जनजातियों की अलग से गणना होने लगी। जातिवादी राजनीति के हावी होते ही, विपक्ष लंबे अरसे से जातिगत जनगणना की मांग कर रहा है। जिस पर मोदी सरकार ने कभी रुख स्पष्ट नहीं किया। मगर संघ के जातिगत जनगणना के समर्थन में विचार देते ही सरकार ने इसकी घोषणा कर दी। तर्क है कि वंचितों के लिए नीतियां बनाने में आसानी होगी तो इसका विरोध करने वाले मानते हैं इससे समाज में दरारें आ सकती हैं। जातियों को वोट बैंक के नाम पर भुनाने वाले और आरक्षण समर्थकों के लिए नये मुद्दे उभर कर सामने आ सकते हैं। वास्तव में अतिपिछड़ों व वंचितों के उत्थान के लिए उठाए गए कदम अपनी भूमिका निभाने में असफल नजर आते हैं। आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक सशक्तिकरण के बगैर समानता की कल्पना भी नहीं की जा सकती। योजनाओं और प्रचार में अव्वल सरकार के लिए ये सिर्फ शिगूफे न साबित हों, यह ख्याल किया जाना जरूरी है। रही बात पाक से संघर्ष की तो इसके लिए सशस्त्र बलों के बलिदान और साहस पर समूचा देश भाव-विह्वल है। मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों का फर्ज है, वे शहीदों व युद्ध प्रभावितों के परिजनों की भरपूर मदद में कोई कोताही न करें। दुश्मन मुल्क से लगी सीमा के रह-वासियों को हुई जान-माल की भरपाई की भी अनदेखी नहीं होनी चाहिए। बंद कमरों में आला-कमान की प्रशस्ति काफी नहीं कही जा सकती। हालांकि देश के राजनीतिक दलों में जिस तरह का अधिनायकवाद हावी है, वहां आंतरिक लोकतंत्र की कल्पना भी नहीं की जा सकती। जबकि इन बैठकों में सरकारी योजनाओं व कार्यपणाली की आलोचनात्मक बात होनी चाहिए और सरकारी सहायता पहुंचाने में जनप्रतिनिधियों में जिम्मेदारीपूर्णता से निर्वहन की खुली चर्चा होनी चाहिए।

चिंतन-मनन

मूर्तिकार का सपना

एक मूर्तिकार ने एक रात विचित्र स्वप्न देखा। वह किसी छायादार पेड़ के नीचे बैठा था। अचानक उसे सामने एक पत्थर का टुकड़ा पड़ा दिखाई दिया। उसने उसे उठा लिया फिर उसे सामने रखा और औजारों के थैले से छेनीहथौड़ी निकालकर उसे तराशने के लिए जैसे ही पहली चोट की, पत्थर जोर से चिल्ला पड़ा- मुझे मत मारो। दूसरी बार वह रोने लगा। मूर्तिकार ने उसे छोड़ दिया। फिर उसने अपनी पसंद का एक अन्य टुकड़ा उठाया और उसे तराशने लगा। वह टुकड़ा चुपचाप वार सहता गया और देखते ही देखते उसमें से एक एक देवी की मूर्ती उभर आई। मूर्ति वहीं पेड़ के नीचे रख वह आगे चला गया। फिर कुछ समय बाद वह उसी पुराने रास्ते से गुजरा। उस स्थान पर पहुंचकर उसने देखा कि उस मूर्ति की पूजा-अर्चना हो रही है, जो उसने बनाई थी। भीड़ लगी है, भजन आरती हो रही है, भक्तों की पंक्तियां लगी हैं। जब उसके दर्शन का समय आया, तो पास आकर उसने देखा कि उसकी बनाई मूर्ति के सामने न जाने क्या-क्या रखा है। जो पत्थर का पहला टुकड़ा उसने, उसके रोने चिल्लाने पर फेंक दिया था वह भी एक ओर पड़ा है और लोग उसके सिर पर नारियल फोड़ -फोड़ कर देवी की मूर्ति पर चढ़ा रहे है। तभी मूर्तिकार की नींद टूट गई। वह सपने के बारे में सोचने लगा। उसने निष्कर्ष निकाला कि जो लोग थोड़ा कष्ट झेल लेते हैं, उनका जीवन बन जाता है। विश्व उनका सत्कार करता है। पर जो डर जाते हैं और बचकर भागना चाहते हैं वे बाद में जीवन भर कष्ट झेलते हैं, उनका सत्कार कोई नहीं करता

थरूर के नाम पर कांग्रेस क्यों बेचैन है ?

मुझे समझ में नहीं आता कि शशि थरूर जैसे प्रबुद्ध नेता और ओजस्वी वक्ता की महत्ता को सरकार तो समझ रही है लेकिन कांग्रेस क्यों नहीं समझ रही है? क्या कांग्रेसियों को अंदाजा है कि वे पार्टी का कितना बड़ा नुक्सान कर रहे हैं? मैं वर्षों से शशि थरूर को बेहद करीब से जानता रहा हूं और यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि शशि थरूर मौजूदा वक्त के शानदार विश्लेषणकर्ता और गहरी समझ वाले व्यक्ति हैं। कांग्रेस को तो उन्हें सिर आंखों पर बिठाना चाहिए मगर आलाकमान के आंख, नाक और कान बने कांग्रेसी लगातार उनका तिरस्कार कर रहे हैं। ताजा मामला ऑपरेशन सिंदूर के खिलाफ दुनिया के 33 देशों को वस्तुस्थिति से अवगत कराने के लिए भारत सरकार द्वारा गठित सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का है। संसदीय कार्य मामलों के मंत्रालय ने सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का गठन किया है। इसका उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य देशों सहित भारत के सहयोगी राष्ट्रों के समक्ष पाकिस्तान की हरकतों का पुख्ता सबूतों के साथ पदार्फाश करना है। संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से आग्रह किया कि पाकिस्तानी आतंकवाद पर भारत का रुख स्पष्ट करने के लिए विदेश भेजे जाने वाले प्रतिनिधिमंडलों के लिए कांग्रेस की ओर से 4 सांसदों के नाम चाहिए। कांग्रेस ने आनंद शर्मा, गौरव गोगोई, डॉ. सैयद नसीर हुसैन और राजा बरार के नाम भेज दिए। सरकार ने गोगोई, नसीर और बरार के नामों को दरकिनार कर दिया। कांग्रेस की सूची से केवल आनंद शर्मा को लिया। इसके अलावा कांग्रेस के शशि थरूर, मनीष तिवारी, सलमान खुर्शीद और अमर सिंह को सरकार ने प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनाया। थरूर को अमेरिका जाने वाले दल का नेतृत्व सौंपा गया। बाकी नामों पर तो कोई बवाल नहीं मचा लेकिन थरूर के नाम पर बहुत बेचैनी दिखी। कांग्रेस ने कहा कि शशि थरूर का नाम तो पार्टी ने दिया ही नहीं था। सामान्य दृष्टि से देखें तो निश्चय ही सरकार ने कांग्रेस की अवहेलना की है लेकिन सवाल तो यह है कि उनका नाम क्यों नहीं दिया गया? क्या हम भूल गए कि 28 मई 2015 को ऑक्सफोर्ड यूनियन में थरूर ने ब्रिटेन को किस तरह धोया था और कहा था कि अपने उपनिवेश रहे देशों को ब्रिटेन क्षतिपूर्ति के रूप में प्रतीकात्मक राशि दे। विदेशी मामलों पर उनकी गजब की पकड़ है। वास्तव में कांग्रेस ने उनकी अवहेलना की है। यह पहली बार नहीं है जब थरूर की अवहेलना हुई है। जब उन्हें राज्यमंत्री बनाया गया था तब सबकी मान्यता थी कि वे कैबिनेट मंत्री के योग्य थे। थरूर को जब प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया गया तो उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि ह्यहाल की घटना पर अपने देश का नजरिया रखने के लिए भारत सरकार के निमंत्रण से सम्मानित महसूस कर रहा हूं, जब बात राष्ट्रीय हित की हो और मेरी सेवाओं की जरूरत हो तो मैं कभी पीछे नहीं हटूंगा।ह्न मुझे खुद का एक वाकया याद आ रहा है। कारगिल युद्ध के समय कांग्रेस और सहयोगी दलों ने तय किया था कि तत्कालीन रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडीस से कोई सवाल नहीं पूछा जाएगा। मेरा सवाल लिस्ट में अनुसूचित हो गया था। मैं सवाल करने उठा तो मुझे पहले मनमोहन सिंह और फिर प्रणब मुखर्जी ने इशारा किया कि पार्टी ने सवाल नहीं करना तय किया है। मगर मैंने सवाल पूछा कि बुलेटप्रूफ जैकेट के बावजूद हमारे सैनिक गोली लगने से क्यों शहीद हो रहे हैं? मैंने कॉफिन की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल किए थे क्योंकि उस वक्त देश को इन दोनों ही सवालों के जवाब चाहिए थे, कई बार ये निडरता जरूरी हो जाती है। शशि थरूर ने सही निर्णय लिया है। सरकार ने प्रतिनिधिमंडलों में सदस्यों का चयन भी बहुत सोच-समझ कर किया है, इनमें 51 सांसद, पूर्व मंत्री और आठ पूर्व राजनयिक शामिल हैं। ये ऐसे लोग हैं जिनमें भारत का पक्ष बहुत अच्छी तरह से रखने की अपार क्षमता है। प्रतिनिधिमंडल की यात्राएं शुरू हो चुकी हैं। जिन 33 देशों का चयन किया गया है, उनमें 15 देश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी या अस्थायी सदस्य हैं। पांच देश जल्द ही सदस्य बनने वाले हैं, अन्य देश वो हैं जिनकी आवाज वैश्विक मंच पर मायने रखती है। इस बीच राहुल गांधी ने विदेश मंत्री जयशंकर से जो तीन सवाल पूछे हैं उनकी भी बहुत चर्चा हो रही है। पहला सवाल अमेरिका को लेकर है कि भारत और पाकिस्तान को एक ही तराजू पर उसने तौलने की कोशिश क्यो की? दूसरा, ट्रम्प को मध्यस्थता करने के लिए किसने कहा और कोई भी देश खुलकर भारत के साथ खड़ा क्यों नहीं हुआ? क्या विदेश नीति ध्वस्त हो गई है? मुझे लगता है कि ये सवाल महत्वपूर्ण हैं क्योंकि मोदी जी ने दुनिया के ढेर सारे देशों के साथ दोस्ती के लिए जो बेहतरीन कोशिश की है, बहुत से देशों और भारत के बीच जो रिश्ते बेहतर हुए हैं उसमें यह उम्मीद स्वाभा-विक थी कि वो देश हमारे साथ खड़े हों। मुझे यह उम्मीद है कि प्रतिनिधिमंडलों के माध्यम से जो कूटनीति प्रारंभ हुई है, वह भारत के नजरिये को और व्यापक तरीके से दुनिया के सामने रखेगी और अच्छी तरह से पाकिस्तान की पोल खोलेगी। कांग्रेस को तो गर्व होना चाहिए कि उसके पास सांसद थरूर जैसा नायाब हीरा है जिसे भारत सरकार ने अमेरिका जैसे महत्वपूर्ण देश की जिम्मेदारी सौंपी है।

विजय दर्डा

कोरोना से घबराने की नहीं, सावधानी की जरूरत

रोहित माहेश्वरी

करीब तीन सालों की शांति के बाद कोरोना महामारी की पदचाप सुनाई दे रही है। देश के कई प्रमुख शहरों और राज्यों में कोविड-19 के नए मामले लगातार बढ़ रहे हैं। देश के कम से कम 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कोरोना के नए संक्रमित मरीज सामने आ रहे हैं। इनमें महाराष्ट्र के मुंबई, पुणे, और ठाणे जैसे बड़े शहरों में संक्रमण के मामले सबसे अधिक दर्ज किए जा रहे हैं। वैज्ञानिकों ने कोरोना वायरस के दो नए वेरिएंट एनबी-1.8.1 और एलएफ-7 की पहचान की है। इन नए वेरिएंट्स के कारण संक्रमण की दर में फिर से तेजी आने की संभावना जताई जा रही है। कोरोना की नई दस्तक ने चिंताएं बढ़ा दी हैं। कोविड-19 का सबसे पहला केस दिसंबर 2019 में चीन के वुहान शहर में दर्ज किया गया था। चीनी प्रशासन ने शुरूआती मामलों का संबंध वुहान की एक सीफूड मार्केट से पाया था। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह वायरस जानवरों से इंसानों में पहुंचा है। मगर हाल में अमेरिकी मीडिया में आई खबरों के मुताबिक, कुछ ऐसे सबूत हैं जो इस ओर इशारा करते हैं कि यह वायरस चीन की एक प्रयोगशाला से लीक हुआ है। ह्यवॉल स्ट्रीट जर्नलह्न ने अमेरिकी इंटेलिजेंस रिपोर्ट के हवाले से दावा किया था कि इससे पहले ही नवंबर में वुहान लैब के तीन सदस्यों को कोविड जैसे लक्षणों वाली बीमारी के चलते अस्पताल जाना पड़ा था। मगर चीन ने न सिर्फ ऐसी खबरों को झूठा बताया था बल्कि आरोप लगाया था कि हो सकता है कोरोना वायरस अमेरिका की किसी लैब से निकला हो। इस वायरस के कारण फैली महामारी के कारण दुनियाभर में अब तक कम से कम 35 लाख लोगों की जान जा चुकी है और संक्रमण के 16 करोड़ 80 लाख से ज्यादा मामले दर्ज किए जा चुके हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की तरफ से कहा जा रहा है कि इस बार के संक्रमण के लिये ओमिक्रोन के नये वेरिएंट जे.ए.1 तथा वेरिएंट एल.एफ.7 और एन.बी.18 जिम्मेदार हैं। बताया जा रहा है कि जे.एन.1 वेरिएंट बहुत तेजी से फैलता है। विश्व के स्वास्थ्य विशेषज्ञ बता रहे हैं कि नये वेरिएंट से पीड़ित लोगों में गले में खराश, नींद न आना, छींके आना, खांसी, एंग्जाइटी, नाक बहना, खांसी, सिरदर्द, कमजोरी, थकान व मांसपेसियों में दर्द की शि-ाकायत शामिल हो सकती है। हालांकि इनमें से कुछ आम इंफ्लूएंजा के लक्षण भी हो सकते हैं। ऐसे में कोरोना संक्रमण का टेस्ट करवाना भी जरूरी हो जाता है। वैसे कहना मुश्किल है कि कोरोना का वायरस हमारे बीच से चला गया। वह कहीं गया नहीं बल्कि टीकाकरण से मिली हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता ने उसे रोक दिया लेकिन दिक्कत यह है कि मौसम परिवर्तन चक्र के बीच में म्यूटेशन से इसके नये वेरिएंट सामने आते हैं। जिनका मुकाबला करने व शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्ति को इन्हें समझने में थोड़ा वक्त लगता है। कोरोना संक्रमण की वापसी की आहट पहले हांगकांग व सिंगापुर में सुनाई दी। हांगकांग में कुछ ही मामलों में तीस लोगों के मरने की खबर है। वहीं सिंगापुर में एक मई तक कोरोना संक्रमितों की संख्या 14 हजार से अधिक थी, जिसमें 19 मई तक तीन हजार नये संक्रमित जुड़ गए हैं। जिस चीन से कोरोना वायरस सारी दुनिया में फैला, वहां भी कोरोना के मामले तो बढ़े हैं लेकिन इस संख्या को सार्वजनिक नहीं किया गया। वहीं चीन का स्वास्थ्य विभाग कोरोना के मामलों में तेजी आने की आशंका जता रहा है। चिंता इस बात की भी है कि भारत में केरल, महाराष्ट्र व तमिलनाडु में कोरोना संक्रमण के मामले दर्ज किए गए। बताया जा रहा है कि एक जनवरी से 19 मई तक देश में ढाई सौ से अधिक संक्रमण के मामले दर्ज किए गए हैं। बढ़ते मामलों ने लोगों के मन में फिर से डर और चिंता पैदा कर दी है। क्योंकि जब साल 2020 में कोरोना आया था तो इसी तरह श-रूआत हुई थी। पहले इक्का-दुक्का मरीज मिले थे और फिर अचानक कोरोना विस्फोट हुआ था। इसीलिए डर है कि कहीं इस बार कोरोना की चौथी लहर तो नहीं आने वाली है। विशेषज्ञों के अनुसार अभी ये कोरोना तो एनवायरनमेंट में था और आने वाले कई सालों तक ये एनवायरनमेंट में रहने वाला है। ये एक चालाक वायरस है। हर थोड़े-थोड़े समय में अपना रूप बदल के म्यूटेंट बदल कर ये फैलता रहता है। तो ये कोरोना वायरस तो अब एक जिन्दगी का हिस्सा बनता जा रहा है। पिछले एक-दो साल के अंदर का जो अनुभव है वो ये है कि जो भी नई म्यूटेशन आ रही है वो म्यूटेशन उतनी घातक नहीं है जो हमने 2020-21 के अंदर देखी गई थी। ये सब माइल्ड वेरिएशंस है। ये म्यूटेशंस है। जो वायरस में होती रहती है। अच्छी बात ये है कि हम सब लोगों में कुछ ना कुछ आंशिक प्रतिरोधक क्षमता है कोरोना वायरस के लिए। इस वजह से हम इसको कंट्रोल कर पाते हैं। इस इंफेक्शन को हमारी बॉडी कंट्रोल कर पाती है तो अभी जो ये नया वेरिएंट बन रहा है, आ रहा है उससे डरने की जरूरत नहीं है लेकिन सावधानी बरतने की जरूरत है। कोरोना संक्रमण में फिर से बढ़ौतरी के बीच सरकार ने अस्पतालों को आईसीयू बेड, ऑक्सीजन आपूर्ति और आवश्यक उपकरणों के साथ पूरी तैयारी रखने के निर्देश दिए हैं। संक्रमण की स्थिति पर नजर रखते हुए स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। बहरहाल, कोरोना के नये वायरस के संक्रमण को लेकर सरकार के स्तर पर गंभीर प्रयास करने तथा नागरिकों को सजग-सतर्क रहने की जरूरत है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह समय लापरवाह होने का नहीं है। बदलते मौसम और त्यौहारों के मौसम को देखते हुए लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि वे भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनें और लक्षण होने पर तुरंत जांच कराएं।

हिट एवं ड्रैग मामले में आरोपी को जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीस हजारी अदालत ने नांगलोई क्षेत्र में वर्ष 2024 में हुए हिट एवं ड्रैग मामले के आरोपी को जमानत दे दी है। मामले में नांगलोई थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। आरोपी को 29 सितंबर, 2024 को गिरफ्तार किया गया था। घटना में दिल्ली पुलिस के कांस्टेबल संदीप मलिक की मृत्यु हो गई थी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हमेराज की अदालत ने मामले की दलीलों और तथ्यों पर विचार करने के बाद आरोपी रजनीश उर्फ सिट्ठो को जमानत दे दी। अदालत ने कहा कि जांच अधिकारी ने उसे गिरफ्तारी के आधार नहीं बताए, जिससे उसकी गिरफ्तारी अवैध हो गई। अदालत ने आरोपी को एक लाख रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि के दो जमानतदारों के साथ जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। बचाव पक्ष की दलील और अभियोजन का विरोध रजनीश की ओर से पेश हुए अधिवक्ता आशुतोष भारद्वाज ने दलील दी कि उनका मुवक्किल पिछले साढ़े सात महीने से न्यायिक हिरासत में है। उन्होंने यह भी कहा कि आरोपपत्र पहले ही दाखिल किया जा चुका है और सह-आरोपी धर्मेंद्र को 19 मई को जमानत मिल गई थी। उन्होंने आगे दलील दी कि यह एक सड़क दुर्घटना का मामला था, जो सीसीटीवी फुटेज से स्पष्ट है। वहीं, सरकारी वकील ने जमानत याचिका का विरोध किया, जिन्होंने तर्क दिया कि आरोपी के खिलाफ गंभीर आरोप हैं। यह है पूरा मामला दिल्ली पुलिस के मुताबिक, 29 सितंबर, 2024 की रात को कांस्टेबल संदीप मलिक रात की ड्यूटी पर था, जब उन्होंने रजनीश और धर्मेंद्र को कार में शराब पीते देखा। संदीप ने उन्हें रोका, जिसके बाद झगड़ा हो गया। आरोप है कि दोनों ने कांस्टेबल की बाइक को टक्कर मारी और उसे दस मीटर तक घसीटा। जिससे उनके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं।

मकोका मामला : पूर्व विधायक बाल्यान की अदालत ने दूसरी बार खारिज की जमानत याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। राउज एवेन्यू अदालत से आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक नरेश बाल्यान को झटका लगा है। अदालत ने बाल्यान की जमानत याचिका खारिज कर दी है। यह मामला महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) से जुड़ा हुआ है। यह उनकी दूसरी जमानत याचिका थी। बाल्यान को सुनवाई के दौरान वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये पेश किया गया था। विशेष न्यायाधीश दिग्विनय सिंह की अदालत ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि कि राहत देने के लिए कोई पर्याप्त आधार नहीं है। अदालत ने तीन जून से आरोप तय करने की बहस प्रतिदिन चलाने का निर्देश दिया है। साथ ही सभी आरोपियों की न्यायिक हिरासत भी बढ़ा दी गई है। अदालत ने पुलिस को आरोपी विकास गहलोत की जांच भी जल्द पूरी करने का निर्देश दिया है। मई की शुरुआत में दायर किया था आरोप पत्र- बता दें कि दिल्ली पुलिस ने मई की शुरुआत में साहिल उर्फ पोली, विजय उर्फ कालू, ज्योति प्रकाश उर्फ बाबा और बाल्यान समेत चारों आरोपियों के खिलाफ मकोका की धाराओं के तहत पूरक आरोपपत्र दायर किया था। सभी आरोपियों को गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू द्वारा कथित रूप से संचालित एक संगठित अपराध सिंडिकेट से संबंधित मामले में गिरफ्तार किया गया था। दिल्ली पुलिस की ओर से विशेष लोक अभियोजक अखंड प्रताप सिंह ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि बचाव पक्ष की दलीलों को पूर्व में अदालत खारिज कर चुकी है। जमानत मांगने के लिए कोई नया आधार नहीं है।

12 साल से अवैध रूप से रह रहे चार बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस की एएटीएस टीम ने पिछले 12 साल से अवैध रूप से भारत में रह रहे बांग्लादेशी परिवार को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों में मोहम्मद असद अली उसकी पत्नी नसीमा बेगम, बेटा मोहम्मद नईम खान और बेटी आशा मोनी शामिल हैं। आरोपियों के पास से पुलिस ने बांग्लादेशी पहचान दस्तावेज बरामद किए गए।

पुलिस ने सभी कोडल औपचारिकताओं के बाद चारों को उनके देश भेजने के लिए निर्वासन केंद्र में भेज दिया गया। पुलिस उपायुक्त सुरेन्द्र चौधरी ने बताया कि इंस्पेक्टर राम कुमार की टीम अवैध रूप से जिले में रह रहे अवैध प्रवासियों का डाटा तैयार कर रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम को पता चला कि एक परिवार पिछले 12 साल से अवैध रूप से दिल्ली कैंट इलाके में रहता है।पुलिस ने सूचना को पुख्ता करने के बाद इलाके में तलाशी अभियान चलाया और मोहम्मद असद अली के परिवार को ढूंढ निकाला। मोहम्मद असद अली ने शुरुआती पूछताछ में खुद को बंगाली बताया कि लेकिन वह बंगाल के पहचान संबंधित दास्तावेज नहीं दिखा सका। तलाशी लेने पर आरोपियों के पास से बांग्लादेशी नागरिका के दास्तावेज बरामद किए गए। जिससे पता चला कि मोहम्मद असद अली और उसका परिवार फारूक बाजार अजवातारी, पी.ओ. गोंगरहाट, फुलबारी कुरीग्राम, बांग्लादेश का रहने वाला है। पुलिस टीम ने जरूरी कार्रवाई के बाद आरोपियों को बांग्लादेश वापस भेजने के लिए निर्वासन केंद्र भेज दिया गया है।

चावड़ी बाजार में कांग्रेस नेताओं का दौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेताओं ने मंगलवार को चावड़ी बाजार का दौरा किया। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव सहित दिल्ली कांग्रेस के प्रभारी काजी निजामुद्दीन और अन्य स्थानीय नेता मौजूद रहे।

इस मौके पर नागरिकों ने उनके सामने सड़क, सफाई, सीवर, जल निकासी और बाजार की बदहाल व्यवस्था को लेकर चिंता जताई। दुकानदारों और निवासियों ने कहा कि चावड़ी बाजार, जो दिल्ली की सबसे पुरानी व्यावसायिक जगहों में से एक है, वहां बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। पूर्व पार्षद अशोक जैन ने कहा कि इलाके की हालत सुधारने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए। प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि हमने दिल्ली के हर इलाके में जाकर जनता की बात सुनी है। आने वाले समय में कांग्रेस एक स्पष्ट रोडमैप लेकर जनता के सामने आएगी, जिसमें स्थानीय समस्याओं का स्थायी समाधान शामिल होगा।

उच्च न्यायालय का अदालत कर्मी को भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तारी से तत्काल संरक्षण देने से इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को अधीनस्थ अदालत के कर्मचारी को भ्रष्टाचार के एक मामले में गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण देने से इनकार कर दिया और कहा कि आरोप 'बहुत गंभीर' हैं।

न्यायमूर्ति अमित शर्मा ने अहलमद (रिकॉर्ड रखने वाला अदालत का कर्मचारी) की अग्रिम जमानत याचिका पर नोटिस जारी किया और भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) से जवाब दाखिल करने को कहा। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील ने तर्क दिया कि इस मामले में जांच निष्पक्ष नहीं थी और उन्होंने अदालत से गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण देने का आग्रह किया।

अदालत ने कहा कि वह अंतरिम राहत के मुद्दे पर 29 मई को विचार करेगी। याचिका में कर्मचारी ने अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को खारिज करने का अनुरोध किया है। लेकिन न्यायालय ने इस अनुरोध पर तत्काल कोई निर्देश देने से इनकार कर दिया। न्यायाधीश ने मौखिक रूप से कहा, ''बहुत गंभीर आरोप हैं। साक्ष्य रिकॉर्ड पर आ गए हैं। हमारे अपने स्टाफ का एक व्यक्ति ज उन्होंने (एसीबी) बयान दिया है कि वे हिरासत में लेकर आप से पूछताछ करना चाहते हैं।''

याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल कई बार जांच में शामिल हुए हैं और इस मामले में एक-दूसरे के खिलाफ कई शिकायतें दर्ज कराई गई हैं। याचिकाकर्ता ने पहले दावा किया था कि एसीबी ने अधीनस्थ अदालत के एक न्यायाधीश को फंसाने के लिए रिश्वतखोरी के मामले से जुड़ी प्राथमिकी दर्ज की थी ताकि 'उनसे बदला लिया जा सके', जबकि इसके पहले न्यायाधीश ने एसीबी के एक संयुक्त आयुक्त को नोटिस जारी कर पूछा था कि कर्मचारियों को कथित रूप से धमकाने के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय में अवमानना का मामला क्यों न दर्ज किया जाए।

अभियोजक ने किसी भी तरह की राहत देने का विरोध किया और कहा कि वह जवाब दाखिल करेंगे। सरकारी अभियोजक ने दावा किया कि पूरी साजिश का पता लगाने के लिए हिरासत में पूछताछ की जरूरत है, जिसके बाद 22 मई को सत्र अदालत ने अहलमद की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। अहलमद (38) 14 सितंबर, 2023 से 21 मार्च, 2025 के बीच राउज एवेन्यू जिला अदालत के एक विशेष न्यायाधीश की अदालत में पदस्थ था।

एसीबी ने 16 मई को, जमानत दिलाने के लिए आरोपी (अहलमद) द्वारा रिश्वत की मांग किये जाने की शिकायतों के बाद उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। उच्च न्यायालय के समक्ष एक अन्य याचिका में, अहलमद ने प्राथमिकी के साथ-साथ आगे की सभी कार्यवाही को रद्द करने का अनुरोध किया है। उसने निष्पक्ष जांच के लिए मामले को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को स्थानांतरित करने के लिए उच्च न्यायालय से निर्देश देने का अनुरोध किया है। उच्च न्यायालय प्रशासन ने 14 फरवरी को कथित रिश्वतखोरी के लिए संबंधित विशेष न्यायाधीश के खिलाफ जांच शुरू करने के एसीबी के अनुरोध को यह कहते हुए ठुकरा दिया था कि एजेंसी के पास न्यायाधीश के खिलाफ 'पर्याप्त सामग्री' नहीं है।

हालांकि, उच्च न्यायालय ने एसीबी से जांच जारी रखने के लिए कहा था और सुझाव दिया था कि यदि विशेष न्यायाधीश की संलिप्तता दिखाने वाली कोई सामग्री मिलती है तो वह उच्च न्यायालय का फिर से रुख करे। न्यायाधीश को 20 मई को उच्च न्यायालय द्वारा प्रशासनिक आदेश के माध्यम से राउज एवेन्यू अदालत से दूसरे जिले में स्थानांतरित कर दिया गया था।

आवारा कुत्तों के संस्थागत स्तर पर पुनर्वास के लिए नीति बनाएं अधिकारी : अदालत

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी में प्राधिकारियों से आवारा कुत्तों के पुनर्वास के लिए संस्थागत स्तर पर नीति बनाने को कहा है ताकि उन्हें सार्वजनिक सड़कों और गलियों से ''चरणबद्ध तरीके से हटाया'' जा सके। आम जनता के समक्ष 'समस्या की व्यापकता' को देखते हुए मामले को दिल्ली के मुख्य सचिव को भेजते हुए न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा ने कहा कि नीति के निर्माण के लिए दिल्ली सरकार, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) तथा भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (एडब्ल्यूबीआई) द्वारा समन्वित प्रयास की आवश्यकता है। न्यायाधीश ने मुख्य सचिव को सभी संबंधित पक्षों की एक बैठक बुलाने को कहा, जिसमें यह चर्चा की जाए कि आवारा कुत्तों को सड़कों से कैसे हटाया जाए तथा उनका पुनर्वास संस्थागत आश्रय में कैसे किया जाए। न्यायाधीश ने 21 मई को पारित आदेश में कहा, ''अदालत ने पाया है कि आवारा कुत्तों द्वारा काटने के विभिन्न मामले सामने आए हैं, जिनकी खबरें समाचार पत्रों में नियमित रूप से आती रहती हैं। इसके अलावा अदालत के समक्ष कई याचिकाएं भी आई हैं, जिनमें कुत्तों द्वारा काटने के मामले अदालत के संज्ञान में लाए गए हैं।'' न्यायाधीश ने आदेश दिया, ''अत:, यह निर्देश दिया जाता है कि हितधारकों द्वारा एक नीतिगत निर्णय लिया जाए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आवारा कुत्तों के संस्थागत स्तर पर पुनर्वास के लिए प्रावधान किए जाएं ताकि आवारा कुत्तों का पुनर्वास किया जा सके और उन्हें सार्वजनिक सड़कों और गलियों से चरणबद्ध तरीके से हटाया जा सके।' अदालत ने यह आदेश अस्सी वर्षीय एक महिला द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। 'डॉग अम्मा' के नाम से जाने वाली उक्त महिला ने याचिका पीवीआर अनुपम कॉम्प्लेक्स के पीछे स्थित अपने अस्थायी आश्रय स्थल को ध्वस्त करने के खिलाफ दायर की थी, जहां 200 से अधिक कुत्तों की भी देखभाल भी की जा रही थी।

दिल्ली पुलिस ने लद्दाख से दो ठगों को दबोचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 27 मई (वेब वार्ता)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शातिर साइबर अपराधियों को लद्दाख स्थित सारचू इलाके से गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी 800 किलोमीटर से अधिक की रियल-टाइम पीछा करते हुए की गई, जिसमें झारखंड से लेकर हिमाचल और लद्दाख तक का सफर शामिल है। इस ऑपरेशन में एक नई और चौंकाने वाली ठगी का खुलासा हुआ है। इसमें मजदूरों के बैंक खाते साइबर फ्रॉड के लिए इस्तेमाल किए जा रहे थे। यह कार्रवाई एक महिला की शिकायत के बाद शुरू हुई। जिसके बैंक खाते से 69,953 की अवैध निकासी हुई थी।

क्राइम ब्रांच के डीसीपी हर्ष इंदौरा के अनुसार जांच के दौरान दिल्ली पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और वित्तीय लेन-देन की कड़ियों को जोड़ते हुए यह पाया कि उक्त राशि झारखंड के दुमका और गोड्डा जिलों के ग्रामीण मजदूरों के खातों में स्थानांतरित की गई थी। पुलिस की टीमों की जमीनी स्तर पर की गई जांच में पाया गया कि ये खाते मजदूरों से उनके ठेकेदारों ने खुलवाए गए थे और एटीएम व पासबुक अपराधियों के पास रहते थे।

डीसीपी के अनुसार दो मजदूरों

रामजीत और बद्री राय की गिरफ्तारी से यह साफ हुआ कि उनके खाते क्रमश 20,005 और 69,953 रुपये की साइबर ठगी में इस्तेमाल हुए थे। इन खातों को मंसूर अंसारी और इमरान अंसारी नामक दो अपराधियों द्वारा नियंत्रित किया जा रहा था, जो गिरफ्तारी से बचने के लिए हिमाचल के रास्ते लद्दाख भाग रहे थे। पुलिस टीम ने पीछा कर दोनों को लद्दाख के ऊंचाई वाले क्षेत्र सारचू से गिरफ्तार किया।

पूछताछ में दोनों ने कबूल किया कि वे झारखंड के गरीब और अनपढ़ मजदूरों को निशाना बनाकर उनके नाम पर खाते खुलवाते थे और फिर उनका दुरुपयोग साइबर ठगी में करते थे। ये ठग लेन-देन के बाद खुद को छुपाने के लिए लद्दाख जैसे दुर्गम इलाकों में चले जाते थे, जिससे पुलिस की पकड़ से दूर रह सकें।

दिल्ली सरकार देगी 125 सिख दंगा पीड़ितों को सरकारी नौकरी, 19 को बांटे नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने 1984 के सिख दंगों के 125 पीड़ितों को सरकारी नौकरी देने जा रही है। इनमें से 19 लोगों को आज दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नियुक्ति पत्र सौंपे। इस अवसर पर दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा भी मौजूद रहे।

नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने सिख पीड़ितों के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि 1984 के दंगों के पीड़ितो को कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने कभी भी अधिकार नहीं दिए। पिछली सरकारों ने पीड़ितों को किसी प्रकार का सहयोग नहीं दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कारण ही पीड़ित सिखों को सहायता राशि भी मिल पायी है। गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में दिल्ली सरकार पीड़ित सिख परिवारों के साथ खड़ी है। दिल्ली सरकार पीड़ित सिख परिवारों के 125 सदस्यों को नौकरियां देने जा रही है।

वहीं कोविड-19 की स्थिति और तैयारियों पर रेखा गुप्ता ने कहा कि तत्काल कोई चिंताजनक स्थिति नहीं है। कोविड-19 के नए वेरिएंट में अभी तक सिर्फ खासी, जुखाम जैसा एक मौसमी वायरस ही सामने आया है। दिल्ली के लोगों को चिंता करने की कोई जरुरत नहीं है। गुप्ता ने कहा कि सरकार ने अस्पतालों को एक स्वास्थ्य सलाह भेजी है। जिसमें उन्हें किसी भी स्थिति के लिए तैयार रहने को कहा गया है। यह सिर्फ एक एहतियाती कदम है।

मोबाइल चोरी और झपटमारी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 3 आरोपियों को दबोचा

नई दिल्ली। दक्षिणी जिले के अंबेडकर नगर थाना पुलिस ने मोबाइल फोन चोरी और झपटमारी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने जहांपनाह वन से तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर इनके पास से चोरी के नौ मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान विनोद उर्फ सूरज, सोनू उर्फ बच्चा और फतेह खान उर्फ साहिल के रूप में हुई है। आरोपित पहले से कई आपराधिक मामलों में शामिल रहे हैं। पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि सोमवार को एक सूचना मिली थी कि तीन शातिर चोर जहांपनाह वन में आने वाले हैं। इस पर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर आनंद स्वरूप के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने जहांपनाह वन में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस टीम को तीन व्यक्ति संदिग्ध हालत में दिखाई दिए। पुलिस टीम ने उन्हें रुकने का इशारा किया तो वे लोग भागने लगे। पुलिस ने उनका पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। पूछताछ करने पर आरोपितों की पहचान देवली गांव निवासी विनोद उर्फ सूरज, आया नगर निवासी सोनू उर्फ अजय उर्फ बच्चा और संगम विहार निवासी फतेह खान उर्फ साहिल के रूप में हुई।

अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एंटी एक्सटॉर्शन और किडनैपिंग सेल ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस ऑपरेशन के तहत पंजाब से चार आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है, जो देशभर में चोरी की गई लग्जरी कारों को खरीदकर उन्हें फर्जी दस्तावेजों के सहारे पंजाब में बेचते थे। पुलिस ने आरोपितों के पास से कुल 21 महंगी लग्जरी कारें बरामद की हैं। जिनमें टोयोटा फॉर्च्यूनर, महिंद्रा थार, किया, क्रेटा और अन्य गाड़ियां शामिल हैं।

क्राइम ब्रांच की डीसीपी अपूर्वा गुप्ता ने मंगलवार को पुलिस मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर बताया कि क्राइम ब्रांच की टीम को 7 मई को सूचना मिली थी कि आरोपित अवतार सिंह उर्फ सनी अरोड़ा अपने साथी हरप्रीत सिंह उर्फ हनी के साथ चोरी की गई मारुति बलेनो कार में डीएनडी फ्लाईओवर के रास्ते पंजाब जा रहा है। पुलिस ने

जाल बिछाकर दोनों आरोपितों को गिरफ्तार किया। गाड़ी की जांच करने पर पाया गया कि उस पर नकली नंबर प्लेट लगी थी और रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट भी फर्जी था। मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई।

पूछताछ में आरोपितों ने खुलासा किया कि वे दिल्ली और आसपास के इलाकों से चोरी की गई लग्ज़री कारों को पंजाब लाकर बेचते हैं। कारों की चेसिस और इंजन नंबर में हेराफेरी कर फर्जी आरसी तैयार की जाती थी। इन कारों को ये लोग 4 से 5 लाख में खरीदते और कई गुना कीमत पर आगे बेचते थे। उनकी निशानदेही पर अमृतसर, तरनतारण, लुधियाना और फिरोजपुर में छापेमारी कर दो और आरोपित परमदीप उर्फ लोटे और मनप्रीत को गिरफ्तार किया गया।

डीसीपी के अनुसार गिरफ्तार आरोपित अवतार सिंह उर्फ सनी अरोड़ा (40) अमृतसर का रहने वाला है। वह पहले प्रॉपर्टी डीलर और अब सब्जी बेचता है। वह वाहन चोरी के चार मामलों में शामिल रहा है। वहीं हरप्रीत सिंह उर्फ हनी (32) बीसीए डिग्रीधारी है। इसी क्रम में परमदीप (42) लुधियाना का रहने वाला है। वह पहले ऑटो पार्ट्स फैक्ट्री मालिक था। वहीं मनप्रीत उर्फ बाऊ (29) फिरोजपुर का रहने वाला है। डीसीपी के अनुसार बरामद बरामद 21 गाड़ियों में मारुति बलेनो, ह्युंडई क्रेटा, किया, महिंद्रा थार, टोयोटा फॉर्च्यूनर, मारुति स्विफ्ट, ब्रेज़ा और अन्य वाहन शामिल हैं। इन वाहनों में से कुछ हरियाणा और उप्र से भी चोरी की गई थीं।

ड्रग्स तस्करी के मामले में फरार आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स यूनिट ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। युनिट ने लंबे समय से फरार चल रहे ड्रग तस्कर विजय उर्फ डैनी को गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच की डीसीपी अपूर्वा गुप्ता ने मंगलवार को बताया कि ऑपरेशन की शुरुआत इस साल 5 जनवरी को दिलशाद गार्डन से हुई थी। यहां लल्ला बाबू को 502 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया। जांच में पता चला कि लल्ला नशा विजय और जितेश को सप्लाई कर रहा था। जितेश को गिरफ्तार करने पर उसके

पास से 125 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। वहीं विजय मौके से फरार हो गया। जांच आगे बढ़ने पर पुलिस ने गिरोह के मुख्य स्रोत निजामुद्दीन उर्फ निजाम को दबोचा और विजय की आई-20 कार से 99 ग्राम हेरोइन बरामद की । विजय के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया गया। गुप्त सूचना के आधार पर नंद नगरी क्षेत्र से विजय उर्फ डैनी को गिरफ्तार किया गया। जांच में पता चला कि वे नंद नगरी थाने का घोषित बदमाश है। उसके खिलाफ हत्या, झपटमारी, मादक पदार्थ अधिनियम और आबकारी अधिनियम सहित करीब 50 आपराधिक मामले दर्ज हैं। डीसीपी के अनुसार विजय का पूरा परिवार आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहा है और उसके भाई भी घोषित अपराधी हैं।

अवैध रूप से रह रहे 92 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार, 12 साल से कर रहे थे ये काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे 92 बांग्लादेशी नागरिकों को मंगलवार को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया है। इस कार्रवाई के बाद जिले में 26 दिसंबर 2024 से अब तक हिरासत में लिए गए बांग्लादेशी नागरिकों की कुल संख्या 142 हो गई है। दक्षिण-पश्चिम जिले में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों का पता लगाने और उन्हें हिरासत में लेने के लिए 10 दिवसीय विशेष अभियान शुरू किया गया था।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण-पश्चिम) सुरेंद्र चौधरी के मुताबिक, स्थानीय मुखबिरों की मदद से खुफिया सूचनाओं पर कार्रवाई करते हुए और कई संवेदनशील इलाकों में घर-घर जाकर लोगों का सत्यापन किया गया। अभियान के दौरान सरोजिनी नगर, किशनगढ़, सफदरजंग एनक्लेव, वसंत कुंज (उत्तर और दक्षिण), कापसहेड़ा, पालम गांव, दिल्ली छावनी और सागरपुर जैसे इलाकों से 88 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया।

उन्होंने बताया कि हिरासत में लिए गए बांग्लादेशी नागरिक भारत में रहने के संबंध में कोई वैध दस्तावेज पेश करने में विफल रहे। साथ ही कईयों के पास उनके बांग्लादेशी नागरिक होने के दस्तावेज पाए गए। उनके दावों को सत्यापित किया गया और अवैध रूप से रहने की बात स्थापित होने पर उन्हें आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए हिरासत में ले लिया गया है। इन लोगों ने अवैध मार्गों से भारत में प्रवेश करने की बात स्वीकार की है। जिनमें कुछ ने भारत-बांग्लादेश सीमा को नदियों के रास्ते जबकि अन्य ने सीमा पर बाड़बंदी के बीच अंतराल के माध्यम से घुसपैठ की बात स्वीकारी है।

गौरतलब है कि अधिकांश कई वर्षों से दिल्ली में रह रहकर दिहाड़ी मजदूर और घरेलू सहायक के

रूप में काम करते थे। वहीं, एक अलग पुलिस अभियान में दिल्ली छावनी क्षेत्र से पुलिस ने एक बांग्लादेशी दंपति और उसके दो बच्चों को गिरफ्तार किया। मामले में डीसीपी ने कहा कि उनकी पहचान मोहम्मद असद अली (44), उसकी पत्नी नसीमा बेगम (40), बेटे मोहम्मद नईम खान (18) और बेटी आशा मोनी (13) के रूप में हुई है। यह परिवार पिछले 12 सालों से दिल्ली छावनी क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहा था। बता दें कि दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस ने पिछले साल दिसंबर से अब तक 142 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है।

दिल्ली का हर इलाका होगा अतिक्रमण मुक्त, अफसरों को सिफारिशें न सुनने का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। शाहदरा उत्तरी जोन के चेयरमैन प्रमोद गुप्ता का कहना है कि दिल्ली नगर निगम लगातार अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। इलाके को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए कार्रवाई की जा रही है। निगम हर इलाके को कार्रवाई के दायरे में लाने का प्रयास कर रहा है। लोगों को

अतिक्रमण से राहत दिलाने के लिए कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों को स्पष्ट आदेश दिए गए हैं कि वे किसी की सिफारिश न सुनें। अगर कार्रवाई करनी है, तो करनी होगी। चेयरमैन ने कहा कि दुकानदारों को हिदायत दी जा रही है कि वे दुकानों के बाहर अतिक्रमण न करें। ठेले व्यवस्थित तरीके से लगाएं। सड़कों पर अवैध पार्किंग न करें।

दिल्ली चुनाव में बीजेपी ने खर्च किए 57.65 करोड़ रुपये, जानें आप और कांग्रेस ने कितना किया खर्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में करीब 27 साल बाद सत्ता में आई भाजपा ने 2025 के विधानसभा चुनाव में कुल 57.65 करोड़ रुपये खर्च किए, जबकि 10 साल के शासन के बाद सत्ता से बाहर हुई आप ने चुनाव अवधि के दौरान 14.51 करोड़ रुपये खर्च किए। पार्टियों द्वारा चुनाव आयोग को दिए गए विवरण के अनुसार, दिल्ली में लगातार दूसरी बार एक भी सीट नहीं जीतने वाली कांग्रेस ने इस साल जनवरी-फरवरी में हुए विधानसभा चुनावों में कुल 46.19 करोड़ रुपये खर्च किए।

दिल्ली विधानसभा की कुल 70 सीटों में से भाजपा ने 48 सीटें जीतकर चुनाव जीता जबकि आम आदमी पार्टी (आप) को 22 सीटें मिलीं। 7 जनवरी, 2025 को चुनावों की घोषणा की गई और 8 फरवरी को मतदान प्रक्रिया समाप्त हुई। कानून के अनुसार चुनाव आयोग को सौंपी गई भाजपा की व्यय रिपोर्ट के अनुसार, पार्टी के केंद्रीय मुख्यालय को 2019 के चुनाव के दौरान 87.79 करोड़ रुपये की सकल प्राप्तियां (प्राप्त निधि) प्राप्त हुईं।

भाजपा द्वारा खर्च किए गए कुल 57.65 करोड़ रुपये में से 39.15 करोड़ रुपये सामान्य पार्टी प्रचार पर और 18.51 करोड़ रुपये पार्टी उम्मीदवारों पर खर्च किए गए। दूसरी ओर, आप ने कुल 14.51 करोड़ रुपये खर्च किए, जिसमें सामान्य पार्टी प्रचार पर 12.12 करोड़ रुपये और पार्टी उम्मीदवारों पर 2.39 करोड़ रुपये खर्च किए गए। दिल्ली चुनाव की मतदान प्रक्रिया के दौरान आप को कुल 16.10 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। कांग्रेस ने कुल 46.19 करोड़ रुपये खर्च किए, जिसमें पार्टी प्रचार पर 40.13 करोड़ रुपये सामान्य व्यय और पार्टी उम्मीदवारों पर 6.06 करोड़ रुपये खर्च शामिल हैं।

यूपी के प्राइवेट विश्वविद्यालयों पर योगी सरकार की नजर टेढ़ी, एक गलती पड़ेगी बहुत भारी

लखनऊ। प्रदेश में निजी विश्वविद्यालयों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इस समय प्रदेश में कुल 47 निजी विश्वविद्यालय संचालित हो रहे हैं, जिनमें करीब दो लाख 66 हजार छात्र-छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इनमें से कई संस्थान बेहतर काम कर रहे हैं, लेकिन कुछ पर शैक्षणिक गुणवत्ता, बुनियादी सुविधाएं और नियामक मानकों के उल्लंघन के आरोप लगते रहे हैं। इसी को देखते हुए उच्च शिक्षा विभाग ने इन विश्वविद्यालयों की निगरानी के लिए एक विशेष कमेटी गठित की है। यह कमेटी औचक निरीक्षण करेगी और अपनी रिपोर्ट शासन को सौंपेगी। रिपोर्ट में खामियां मिलने पर संबंधित विश्वविद्यालय के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। प्रमुख सचिव एमपी अग्रवाल के निर्देश पर गठित की गई यह निगरानी कमेटी सभी निजी विश्वविद्यालयों में जाकर यह देखेगी कि वहां शिक्षा की गुणवत्ता कैसी है, फैकल्टी योग्य है या नहीं, छात्र-छात्राओं को बुनियादी सुविधाएं मिल रही हैं या नहीं और क्या विश्वविद्यालय 2019 के

अंब्रेला एक्ट के तहत निर्धारित नियमों का पालन कर रहा है या नहीं। इस एक्ट के तहत शहरी क्षेत्र में निजी विश्वविद्यालय खोलने के लिए न्यूनतम 20 एकड़ और ग्रामीण क्षेत्र में 50 एकड़ जमीन अनिवार्य है। साथ ही विश्वविद्यालय संचालकों को पांच करोड़ रुपये की एफडी भी जमा करनी होती है, जिसका ब्याज ही वे उपयोग में ला सकते हैं। कमेटी जिन बिंदुओं पर निगरानी करेगी, उनमें शैक्षणिक गतिविधियां, नियमित कक्षाएं, कोर्स की पूर्णता, फैकल्टी की नियुक्ति, छात्र शिकायत निवारण प्रणाली, फीस संरचना और बुनियादी ढांचे की स्थिति प्रमुख हैं। यदि किसी विश्वविद्यालय में मानकों से खिलवाड़ होता पाया गया, तो न केवल चेतावनी दी जाएगी बल्कि गंभीर मामलों में मान्यता रद्द करने तक की कार्रवाई की जा सकती है। उच्च शिक्षा परिषद के अपर सचिव डा. दिनेश कुमार राजपूत ने बताया कि निजी विश्वविद्यालयों को मानकों से कोई छूट नहीं दी गई है। यदि किसी संस्थान द्वारा छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ किया गया या नियमों का उल्लंघन हुआ, तो विभाग कठोर कार्रवाई करेगा। छात्रों की ओर से आने वाली शिकायतों को भी गंभीरता से लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि छात्र या उनके अभिभावक किसी भी प्रकार की शिकायत विभाग को भेज सकते हैं, जिसे कमेटी द्वारा जांचा जाएगा। इस साल के अंत तक हो जाएंगे 50 निजी विश्वविद्यालय वर्तमान में प्रदेश में 47 निजी विश्वविद्यालय हैं और इस वर्ष के अंत तक तीन और खुलने की संभावना है, जिससे इनकी संख्या 50 तक पहुंच जाएगी। प्रदेश में सबसे ज्यादा निजी विश्वविद्यालय मेरठ मंडल में हैं, जहां 18 विश्वविद्यालय संचालित हो रहे हैं। इसके बाद आगरा मंडल में आठ निजी विश्वविद्यालय हैं। हालांकि, कई विश्वविद्यालयों में छात्र संख्या ठीक है, लेकिन कुछ संस्थानों में यह संख्या एक हजार से भी कम है, जो उनकी शैक्षणिक क्षमता और स्वीकार्यता पर सवाल खड़े करती है। शासन का मानना है कि शिक्षा एक संवेदनशील विषय है और निजी विश्वविद्यालयों को व्यवसायिक दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि सेवा और गुणवत्ता के दृष्टिकोण से संचालित किया जाना चाहिए। यही वजह है कि अब इन संस्थानों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए निगरानी को मजबूत किया जा रहा है।

> प्रमुख सचिव एमपी अग्रवाल के निर्देश पर गठित की गई यह निगरानी कमेटी सभी निजी विश्वविद्यालयों में जाकर यह देखेगी कि वहां शिक्षा की गुणवत्ता कैसी है फैकल्टी योग्य है या नहीं छात्र-छात्राओं को बुनियादी सुविधाएं मिल रही हैं या नहीं और क्या विश्वविद्यालय 2019 के अंब्रेला एक्ट के तहत निर्धारित नियमों का पालन कर रहा है या नहीं।

क्रिकेट में छक्का-चौका विवाद, 'अंपायर' पर टूट पड़ी पूरी टीम, खिलाड़ियों ने निकाला अंपायर का कचूमर

ग्रेटर नोएडा : उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में गली क्रिकेट के दौरान कुछ ऐसा हुआ कि मामला पुलिस तक पहुंच गया। यहां क्रिकेट के मुकाबले के दौरान मारे गए छक्के-चौके से शुरू हुआ विवाद मारपीट तक पहुंच गया। दो टीमें आपस में क्रिकेट खेल रही थीं। इस दौरान एक शॉट पड़ा, जो बाउंड्री के बाहर चला गया, लेकिन अंपायर ने कोई रिएक्शन नहीं दिया। जिसके विरोध में टीम ने अंपायर को ही धुन दिया। पूरा मामला जिले के दनकौर कोतवाली क्षेत्र के मकनपुर बंगार गांव का है। यहां दो टीमों के बीच क्रिकेट मैच चल रहा था। जय किशन नाम का युवक मैच में अंपायरिंग कर रहा था। मैच खेलते समय एक खिलाड़ी ने छक्का मारा। जिसे विरोधी टीम ने चौका बता दिया। इस बात पर विवाद शुरू हो गया। जब विवाद को लेकर अंपायर की कोई टिप्पणी नहीं आई। न ही अंपायर ने कोई निर्णय लिया। इससे नाराज होकर छक्का लगाने वाली टीम के खिलाड़ियों ने अंपायर पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में अंपायर की आंख बाल-बाल बच गई। हमला कर मौके से फरार हुए हमलावर, परिजनों ने अंपायर को पहुंचाया अस्पताल हमला करने के बाद आरोपी मौके से भाग निकले। परिजन घायल अंपायर को अस्पताल लेकर पहुंचे। फिलहाल घायल का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज चल रहा है। सोमवार को दनकौर कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस की तरफ से मामले की जांच पड़ताल जारी है। हालांकि इस मामले में दनकौर कोतवाली प्रभारी ने बताया अभी तक इस मामले की शिकायत हमें नहीं मिली है। शिकायत मिलने के बाद जांच पड़ताल कर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के तहत बेटियों के विवाह पर 51 हजार की बजाए अब एक लाख रुपये की धनराशि खर्च होगी

मीरजापुर। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के तहत बेटियों के विवाह पर 51 हजार की बजाए अब एक लाख रुपये की धनराशि खर्च होगी। गरीब बेटियों के विवाह के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से बड़ा कदम उठाया गया है। जनपद में वर्ष 2017-18 से 2024-25 तक 7064 वर-वधुओं का सामूहिक विवाह कराया गया है। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन के निर्देशन में बीते सात मार्च को ही मझवां ब्लॉक के गांधी इंटरमीडिएट कॉलेज में 531 जोड़ों का सामूहिक विवाह कराया गया था। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत विवाह करने वाले लाभार्थियों पर अब एक लाख रुपये खर्च होंगे। इसमें से 60 हजार की

धनराशि कन्या की खाते में डीबीटी से भेजा जाएगा। साथ ही 25 हजार का उपहार दिया जाएगा। वहीं विवाह के आयोजन पर 15000 रुपये प्रति जोड़ा खर्च किया जाएगा। जिला समाज कल्याण अधिकारी त्रिनेत्र कुमार सिंह ने बताया कि इसके पहले प्रति जोड़ा 51 हजार रुपये खर्च होते थे। 35 हजार रुपये कन्या के खाते में भेजा जाता था। साथ ही 10 हजार रुपये की सामग्री प्रदान की जाती थी। वहीं छह हजार रुपये आयोजन पर खर्च होता था। आवेदन के लिए पात्रता जिला समाज कल्याण अधिकारी त्रिनेत्र कुमार सिंह ने बताया कि दो लाख रुपये आय तक के लोग सामूहिक विवाह के लिए पोर्टल पर आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदक शहरी क्षेत्र में अधिशासी अधिकारी और ग्रामीण क्षेत्र में ब्लाक पर बीडीओ के पास फार्म जमा करें। पात्रता की जांच के बाद विवाह होगा। मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत शासन द्वारा धनराशि अब एक लाख रुपये किया गया है। इसमें से 60 हजार कन्या के खाते में डीबीटी से भेजा जाएगा। वहीं 25 हजार का उपहार और 15 हजार प्रति जोड़ा आयोजन पर खर्च होगा। इससे गरीब अभिभावकों को काफी सहायता मिलेगी।

बहराइच में दिल दहला देने वाला हादसा: करंट लगने से महिला टिन शेड से चिपकी, बचाने गए युवक की भी मौत

उत्तर प्रदेश : उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले के नवाबगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में टिन की छत वाले घर में करंट आ जाने से एक महिला समेत 2 लोगों की मौत हो गई और एक अन्य झुलस गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) रमाशंकर यादव ने बताया कि पंडितपुरवा निवासी हाशिमा बेगम (50) के टिन की छत वाले घर में जिस केबल से बिजली आपूर्ति हो रही थी वह बीच में किसी स्थान से कट गई जिस कारण टिन शेड में करंट आ गया। उन्होंने बताया कि सोमवार शाम को घर का काम करते समय हाशिमा का हाथ टिन शेड के पाइप से छू गया और वह करंट की चपेट में आकर पाइप से चिपक गई। पड़ोसी बचाने गए, 2 की मौत और एक घायल सूत्रों से

मिली जानकारी के मुताबिक, थाना प्रभारी ने बताया कि हाशिमा के शोर मचाने पर पड़ोसी सलमान (17) व संतराम कश्यप (20) बचाने के लिए पहुंचे। उन्होंने बताया कि बचाने की कोशिश में सलमान भी पाइप में चिपक गया जबकि संतराम झटका लगने से दूर जा गिरा। पुलिस के अनुसार करंट लगने से हाशिमा और सलमान की मौके पर ही मौत हो गई

यूपी में तपिश पर भारी उमस, कल से तीन दिन तक बारिश के आसार, कई जिलों में वज्रपात की चेतावनी

उत्तरप्रदेश : उत्तरप्रदेश में अगले तीन से चार दिनों तक मौसम में फेर-बदल जारी रहने वाला है। प्रदेश में हो रही उमस भरी गर्मी और धूप छांव के बीच मौसम विभाग ने 29 से 31 मई के बीच पूर्वी और पश्चिमी दोनों संभागों में गरज- चमक के साथ बूंदाबांदी की संभावना जताई है। मंगलवार को प्रदेश में पूरब से पश्चिम तक कहीं भी लू जैसी परिस्थितियां नहीं रहीं। साथ ही कहीं भी दिन का तापमान सामान्य से अधिक दर्ज नहीं किया गया, लेकिन उमस भारी चिपचिपी गर्मी ने लोगों को बेहाल किया। पूर्वा हवा में नमी की मौजूदगी से आभासी गर्मी, वास्तविक गर्मी से तीन से चार डिग्री ज्यादा महसूस किया गया।बुधवार के लिए भी प्रदेश के पूर्वी और तराई इलाकों के 30 जिलों में तेज हवाएं चलने और गरज- चमक के साथ बूंदाबादी की चेतावनी जारी की गई है। वहीं शाहजहांपुर, पीलीभीत, बदायूं व आसपास के इलाकों में 50 से 60 किमी प्रति घंटे तक की हवाएं चलने की चेतावनी जारी की गई है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 29 मई से प्रदेश में दो-तीन दिनों के लिए बूंदाबांदी और हवाओं की तीव्रता और क्षेत्रफल में विस्तार देखने को मिलेगा।

आगरा में कोरोना वायरस ने दी दस्तक, कूल्हे की सर्जरी के लिए आया मरीज निकला 'कोविड पॉजिटिव

उत्तरप्रदेश : उत्तरप्रदेश में फिरोजाबाद जिले के 77 साल के एक मरीज में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है। मरीज को कूल्हे की सर्जरी के लिए सिकंदरा क्षेत्र के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मरीज को हल्का बुखार और गले में खराश की समस्या थी, इसलिए अस्पताल ने निजी लैब में कोरोना की जांच कराई। जांच रिपोर्ट सोमवार को आई जिसमें मरीज का कोरोना पॉजिटिव पाया गया। मरीज की रिपोर्ट आने के बाद अस्पताल प्रशासन ने स्वास्थ्य विभाग को सूचित किया। मरीज को अस्पताल में ही अलग (आइसोलेट) कर दिया गया है ताकि संक्रमण अन्य लोगों में ना फैले। अस्पताल और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मरीज और उनके संपर्क में आए डॉक्टरों व परिजनों के नमूने लिए हैं, जिनकी जांच एसएन मेडिकल कॉलेज की वायरोलॉजी लैब में कराई जाएगी। कोरोना जांच की सुविधा और मरीजों का इलाज एसएन मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अंकुर गोयल ने बताया कि कॉलेज की लैब में कोरोना जांच के लिए जरूरी किट उपलब्ध हैं। प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने कहा कि कोरोना संक्रमित गंभीर मरीजों का इलाज यहां किया जाएगा। कोरोना के नए वैरिएंट और लक्षण देश में कोरोना वायरस का नया वैरिएंट एनबी.1.8.1 फैलने का खतरा है, जो ओमिक्रॉन के जेएन.1 वैरिएंट का हिस्सा है। इस नए वैरिएंट में थकान, गले में खराश, मांसपेशियों में दर्द, पेट दर्द और लंबे समय तक हल्का बुखार जैसे लक्षण पाए जा रहे हैं।

यूपी के इस शहर में 70 किलोमीटर तक पेयजल पाइपलाइन बिछी, सितंबर 2026 तक हर घर पहुंचेगा पानी

लखीमपुर खीरी। शहर में 64.39 करोड़ रुपये की लागत से नगर पुनर्गठन पेयजल योजना के तहत तीन ओवरहेड टैंकों का निर्माण कार्य आधे से अधिक और पेयजल आपूर्ति के लिए पाइपलाइन बिछाने का कार्य लगभग 53 फीसदी पूरा हो चुका है। हर में अंडरग्राउंड लगभग 70 किलोमीटर पेयजल की आपूर्ति के लिए पाइपलाइन का जाल बिछाया जा चुका है। हालांकि अभी भी लगभग 61 किलोमीटर की पेयजल पाइप लाइन बिछानी बाकी है। जिसके लिए सभी वार्डों में काम तेजी से किया जा रहा है। यहां बन रहे ओवरहेड टैंक और ट्यूबवेल शहर में तीन ओवरहेड टैंक निमार्णाधीन हैं। जिसमें एक 16 लाख लीटर का ओवरहेड टैंक पौराणिक शिव मंदिर के नजदीक कानपुर धर्मशाला में बन

रहा है। दूसरा 15 लाख लीटर का ओवरहेड टैंक काशीराम आवास कालोनी में और तीसरा 12 लाख क्षमता का ओवरहेड टैंक टैंक त्रिलोक गिरि मंदिर पर निमार्णाधीन है। वहीं शहर में नौ ट्यूबवेल एक मुक्ति धाम में, दूसरा भद्र कुंड में, तीसरा काशीराम आवास योजना में और चौथा त्रिलोक गिरि मंदिर में निमार्णाधीन हैं। यहां बन रहे ओवरहेड टैंक और ट्यूबवेल शहर में तीन ओवरहेड टैंक निमार्णाधीन हैं। जिसमें एक 16 लाख लीटर का ओवरहेड टैंक पौराणिक शिव मंदिर के नजदीक कानपुर धर्मशाला में बन रहा है। दूसरा 15 लाख लीटर का ओवरहेड टैंक काशीराम आवास कालोनी में और तीसरा 12 लाख क्षमता का ओवरहेड टैंक टैंक त्रिलोक गिरि मंदिर पर निमार्णाधीन है। वहीं शहर में नौ ट्यूबवेल एक मुक्ति धाम में, दूसरा भद्र कुंड में, तीसरा काशीराम आवास योजना में और चौथा त्रिलोक गिरि मंदिर में निमार्णाधीन हैं। शहर के 14 हजार चार घरों को मिलेगी पेयजल आपूर्ति शहर के 14 हजार चार घरों को शुद्ध पेय जल आपूर्ति दी जाएगी।

जिसके लिए भवन स्वामी आधार कार्ड के जरिए निशुल्क कनेक्शन ले सकता है। नगर पुनर्गठन पेयजल योजना के तहत पूरे शहर में सितंबर 2026 तक 131 किलोमीटर पाइपलाइन बिछानी है। जिसमें लगभग 70 किलोमीटर का कार्य पूरा हो चुका है।

नकल के लिए छात्रों ने ऐसी जगह छुपाया मोबाइल, कोई तलाश न पाए

आगरा : आगरा कॉलेज में बीएड द्वितीय वर्ष की परीक्षा चल रही है। मंगलवार को योग एजुकेशन की परीक्षा हो रही थी। इस दौरान कुछ परीक्षार्थी मोबाइल से नकल करते हुए पकड़े गए। सचल दल ने इनसे पूछताछ की, तो पता चला कि ये लोग मोबाइल अंडरवियर में छुपाकर परीक्षा केन्द्र के अंदर ले आए थे। आगरा कॉलेज में सीसीटीवी कैमरे की मदद से परीक्षार्थियों को नकल करते पकड़ा गया। इसके बाद सचल दल की टीम ने सभी परीक्षार्थियों के मोबाइल और कॉपी को बुक कर लिया है। बताया जा रहा है कि परीक्षार्थी अपने अंडरवियर में मोबाइल छुपा कर ले गए थे। जिसकी वजह से उनके मोबाइल सचल दल की निगरानी में नहीं आए। इसके अलावा सचल दल ने परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर बच्चों द्वारा लाई गई नकल की कई पर्चियां भी जब्त की हैं।

पुलिस के सामने ही पीटते रहे, डेढ़ घंटे तक मारा, लगा जिंदा न बचेंगे; व्यापारियों ने सुनाई खौफ की दास्तां

अलीगढ़ : अलीगढ़ के थाना अकराबाद क्षेत्र में अलहदादपुर के पास भीड़ के गुस्से का शिकार हुए जेएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती चार मीट व्यापारियों को सोमवार को कुछ होश आया। होश में आने के बाद अपने साथ हुए खौफनाक घटनाक्रम की दास्तान बताई। घायलों ने बताया कि हमलावरों के आगे मौके पर मौजूद दो पुलिस कर्मी भी लाचार खड़े रहे। बचने को पीड़ित पुलिस की 112 नंबर गाड़ी में घुसे लेकिन हमलावरों ने पीड़ितों को गाड़ी में से भी खींच लिया। जब घायल अपने साथ हुआ घटनाक्रम बता रहे थे तो परिजनों की रुलाई छूट गई। वह सिर्फ इंसाफ की गुहार करने लगे। हमले में सबसे ज्यादा घायल अकील ने बताया कि वह कदीम, अरबाज सहित चार लोग शनिवार की सुबह अल अम्मार फैक्टरी से मीट की गाड़ी लेकर अतरौली जा रहे थे। पैनेटी के पास हमलावरों की मोटरसाइकिलें पीछे लग गईं। उन्होंने आगे से रोक लिया। पूछा तो बता

दिया कि गाड़ी में मीट है। बताया हमारे पास कागज भी हैं। डॉक्टरी रिपोर्ट भी है। बात को अनसुनी करते हुए हमलावरों ने चारों को पीटना शुरू कर दिया। बोले 50 हजार रुपये दो और गाड़ी ले जाओ। हमने कहा इतने पैसे तो हमारे पास नहीं है। इस दौरान 112 नंबर गाड़ी वहां से गुजरी, हमने उसे रोका तो वह नहीं रुकी। हमलावर रुक रुक कर पीटते रहे। 20 मिनट बाद गाड़ी वापस आई। हम लोग गाड़ी की ओर जान बचाने के लिए दौड़े। गाड़ी में घुस गए लेकिन पुलिस वालों ने हमें गाड़ी से बाहर निकाल दिया। हमने गाड़ी की सीट बेल्ट पकड़ी लेकिन हमलावरों ने हाथों और पैरों पर रॉड से हमला कर के सीट बेल्ट छुड़ा दी और पीटने लगे। डेढ़ घंटे बाद दूसरी पुलिस गाड़ी आई, तब बची जान घायल अरबाज ने बताया कि हमलावरों ने हमारे हाथ से फैक्टरी का बिल और पर्ची छीन कर फाड़ दी। मोबाइल और पैसे छीन लिए। इसके बाद लोहे की रॉड आदि से मार लगाना शुरू कर दिया। डेढ़ घंटे तक मारपीट करने के बाद एक अन्य गाड़ी पुलिस की आई जिसके बाद उनकी जान बच सकी। एक अन्य घायल कदीम ने बताया कि जब हमलावर पीट रहे थे तो बचने के लिए पुलिस की गाड़ी में घुसे थे लेकिन हमलावरों ने पीछे का दरवाजा खोलकर हमें बाहर खींच लिया। इस दौरान दो पुलिस वाले खड़े थे। घायल अकील की पत्नी बोली इंसाफ चाहिए बस घायल अकील की पत्नी अंजुम ने बताया कि मेरे पास शनिवार को पुलिस की तरफ से फोन आया कि तुम्हारे पति का एक्सीडेंट हो गया है। हमारे तीन बेटियां हैं एक बेटा है। बहुत बुरी तरह मारा है। यह रोज गाड़ी से माल लाते हैं। हम लोग बहुत गरीब हैं। हमें कुछ नहीं चाहिए बस इंसाफ चाहिए।

> अलीगढ़ के अलहदादपुर में भीड़ का शिकार मीट व्यापारियों ने होश में आने के बाद खौफ की दास्तान सुनाई। उन्होंने बताया कि हमलावर पुलिस के सामने ही पीटते रहे। डेढ़ घंटे तक उन्होंने पिटाई की। लगा कि अब जिंदा नहीं बचेंगे।

यूपी में कई एसडीएम व तहसीलदारों का हुआ ट्रांसफर, देर रात आया था ऑर्डर

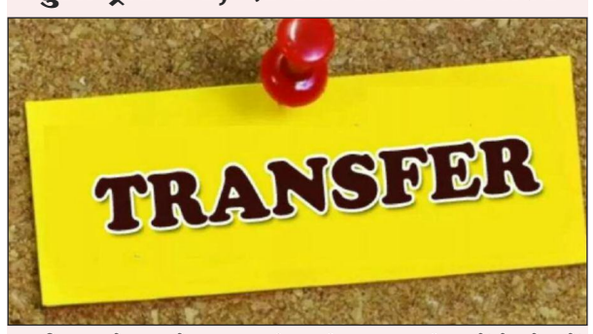

अलीगढ़। सोमवार देर शाम कई एसडीएम व तहसीलदारों के क्षेत्र में परिवर्तन कर दिया गया। इसमें एसडीएम खैर महिमा सिंह को एसडीएम कोल बनाया गया है। एसडीएम कोल दिग्विजय सिंह को एसीएम द्वितीय की जिम्मेदारी दी गई है। एसीएम द्वितीय आशुतोष कुमार को एएसडीएम कोल बनाया गया है। नवागत डिप्टी कलक्टर सुमित सिंह को एएसडीएम खैर की जिम्मेदारी दी गई है। दूसरे नवागत डिप्टी कलक्टर परितोष मिश्रा को एएसडीएम इगलास बनाया गया है। तहसीलदार खैर कृष्ण गोपाल को तहसीलदार गभाना बनाया गया है। गभाना तहसीलदार उदयवीर सिंह को तहसीलदार न्यायिक कोल की जिम्मेदारी मिली है। कोल तहसीलदार अवनीश कुमार को तहसीलदार खैर बनाया गया है। अतरौली तहसीलदार रामगोपाल सिंह को तहसीलदार कोल की जिम्मेदारी दी गई है। तहसीलदार न्यायिक कोल रामचंद्र को तहसीलदार अतरौली बनाया गया है। अलीगढ़ में प्रशासनिक फेरबदल हुआ है जिसमें कई एसडीएम और तहसीलदारों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है।

'फिल्मों में लव जिहाद को बढ़ावा दिया जा रहा है

बिहार में अनिरुद्धाचार्य बोले- गुजरात के लोग नौकरी देते हैं, तो आप जॉब देना कब सीखोगे?

मुजफ्फरपुर।आप बताओ बिहार में लव जिहाद है या नहीं, हिंदू लड़कियों को कुछ मुसलमान लड़के प्यार के झूठे जाल में फंसा कर ले जाते हैं और दुनिया के दूसरे देशों में बेच आते हैं।' 'आपकी बेटी को कल कोई प्यार के बहाने ले जाए, दुबई में 10 लाख, 20 लाख में बेच आए। सोचिए, उस लड़की पर क्या गुजरती होगी, जिसे सारी जिंदगी बर्तन धोने के लिए और शारीरिक शोषण के लिए बैठा दिया जाए। 'कितनी गंदी बीमारी है ये लव जिहाद। बड़ी-बड़ी फिल्म लव जिहाद का प्रमोशन करती हैं। ये बातें कथावाचक अनिरुद्धाचार्य ने मुजफ्फरपुर में कथावाचन के दौरान सोमवार को कही। कथावाचक अनिरुद्धाचार्य 23 मई से मुजफ्फरपुर के पताही में

कथावाचन कर रहे हैं। सोमवार को उन्होंने कहा कि 'पीके मूवी में एक हिंदू लड़की होती है, उसका नाम जग्गू होता है, उस लड़की को पाकिस्तान के मुसलमान लड़के से प्यार हो जाता है। बताओ ये लव जिहाद को बढ़ावा देना है या नहीं।' 'बच्चे मूवी देखने जाते हैं, आपको लगता है कि पिक्चर कितनी बढ़िया है, लेकिन पिक्चर के पीछे का जो षड्यंत्र है वो तो आपने जाना ही नहीं।' अनिरुद्धाचार्य बोले- फिल्मों में मंदिरों, भगवान को बदनाम किया जाता है अनिरुद्धाचार्य ने कहा कि 'कई फिल्मों में हमारे मंदिरों और भगवान को बदनाम किया जाता है। पीके मूवी में कुछ ऐसा दिखाया कि आपको ये लगा कि मंदिर नहीं जाना चाहिए। ये मूवी जब बनी, उसने हजारों करोड़ रुपए की कमाई की।' 'मेरा सवाल है कि तुम्हें गरीबों की इतनी ही चिंता थी तो जो मूवी से कमाई हुई, उसे गरीबों में बांट देना चाहिए था। हॉस्पिटल, यूनिवर्सिटी, कॉलेज, स्कूल बनवाना चाहिए था, लेकिन ये सब कुछ नहीं हुआ।'कथावाचक ने कहा कि चलो बताओ, बिहार में लोग शराब पीते हैं कि नहीं। खूब पीते हैं, जबकि बिहार में शराब बंद है। जब सबको पता है कि शराब पीना गलत है, तो आज तक कोई ऐसी मूवी बनी, जिसमें ये बताया गया हो कि शराब न पीयो, शराब वाला पैसा गरीबों में बांट दो। अनिरुद्धाचार्य ने कहा कि 'बिहार को सबसे ज्यादा नशा ने बर्बाद कर रखा है। यहां के लोग जितना पैसा नशा में खर्च करते हैं, उतना पैसा अपनी तरक्की में खर्च करें तो बहुत विकास हो जाए।' बोले- मैं जो कहता हूं, ध्यान से सुनो, सफल न हो तो कहना अनिरुद्धाचार्य ने कहा कि मेरी एक बात सुनो, सफल न हो तो फिर कहना। सफल व्यक्ति के पास टाइम बहुत कम, जबकि असफल व्यक्ति के पास टाइम ही टाइम होता है। आपने देखा होगा कि हमारे देश के लड़के क्रिकेट देखते हैं।भारत में 22 साल का लड़का, 25 साल का लड़का, 30 साल का छोरा, जिसे काम करके सफल हो जाना चाहिए था, वो क्रिकेट देखकर अपना टाइम बर्बाद कर रहा है। अमेरिका, चीन के पास कोई क्रिकेट टीम ही नहीं है। चाइना को पता है कि लड़कों को काम पर लगाना है, लेकिन भारत में तो क्रिकेट चल रहा है, चला ही जा रहा है। इसलिए अपने बच्चों को समझाना होगा कि क्रिकेट देखकर टाइम बर्बाद करने से कोई फायदा नहीं है। 'बिहार में एक बहुत बड़ा रोग है, मां-बाप कहते हैं- नौकरी करो' कथावाचक ने कहा कि बिहार में एक बहुत बड़ा रोग है। यहां के हर मां-बाप अपने बच्चों को कहते हैं कि बेटा पढ़ो, नौकरी करना है, ये सबसे बड़ा रोग है। आपका बेटा पढ़े, ये बहुत अच्छी बात है। पढ़ लिखकर योग्य बने, ये अच्छी बात है, लेकिन बेटे को ये मत कहा करो कि पढ़ लिखकर नौकरी कर, बल्कि बेटे को ये कहो कि तुम पढ़ कर नौकरी लेने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बनो।

किशनगंज में बारिश से टूटा डायवर्सन,4 गांवों का संपर्क कटा

3000 से अधिक लोगों की आवाजाही प्रभावित, लोगों ने जल्द मरम्मत कराने की मांग की

किशनगंज। किशनगंज के पोठिया प्रखंड के सरोगरा पंचायत में स्थित शेखपुरा गांव में सोमवार की रात हुई मूसलाधार एक निमार्णाधीन पुल का डायवर्सन पानी के तेज बहाव में बह गई। इस डायवर्सन के टूटने से शेखपुरा, भूलगरा, बनवारी और बलेगची गांवों का आपस में संपर्क पूरी तरह कट गया है। इससे लगभग 3000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। डायवर्सन की खराब गुणवत्ता इस समस्या का मुख्य कारण बनी है। डायवर्सन के टूटने से चार गांव से

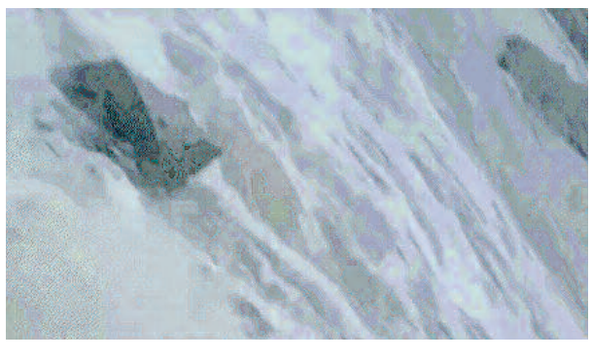

कटा संपर्क स्थानीय निवासी मोहम्मद इसराइल ने बताया कि डायवर्सन के टूटने से स्कूली बच्चों, किसानों और मजदूरों को आवाजाही में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एक अन्य निवासी रीता देवी ने बताया कि यह पुल आसपास के गांवों को जोड़ने का एकमात्र रास्ता है। इससे वर्तमान में आपातकालीन सेवाएं और स्वास्थ्य सुविधाएं भी प्रभावित हुई हैं। डॉक नदी के किनारे बनी झील की वजह से स्थिति और जटिल हो गई है। बारिश के मौसम में वैकल्पिक रास्तों के जलमग्न होने की आशंका से चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से डायवर्सन की तत्काल मरम्मत की मांग की है। साथ ही, निर्माण कार्य में तेजी लाने की अपील की है, ताकि लोगों का जीवन सामान्य हो सके।

वैशाली में स्कॉर्पियो ने चाय दुकानदार को मारी टक्कर, मौत

वैशाली। जिले के महुआ थाना क्षेत्र में सोमवार की रात हुए एक सड़क हादसे में चाय दुकानदार की मौत हो गई। मृतक की पहचान लक्ष्मीपुर बखरी गांव निवासी श्रवण साह (60) के रूप में हुई है। घटना देर रात करीब 10 बजे की है। मृतक के परिजनों ने बताया कि श्रवण साह रानीपोखर चौक पर चाय-नाश्ते की दुकान चलाते थे। वह एक भोज समारोह से पैदल घर लौट रहे थे। इसी दौरान एक स्कॉर्पियो ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे की खबर फैलते ही स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। महुआ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने

आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया गया है। जांच में जुटी पुलिस महुआ थानाध्यक्ष राकेश रंजन ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। मृतक चाय-नाश्ते की दुकान चलाकर अपना परिवार चलाते थे।

भोजपुर में बच्चों के विवाद में मारपीट

भोजपुर। के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में बच्चों के विवाद में मारपीट हुई है। पड़ोसी ने लाठी-डंडे से पिता-पुत्री और पोते की पिटाई कर दी। स्थानीय लोगों ने झगड़े को शांत कराया। घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में एडमिट कराया गया है। घटना छोटकी सनदिया गांव के राम नगर टोला की है। घायलों की पहचान गुलजारी राम(50), बेटी रीता कुमारी(19) और पोता अंकुश कुमार(9) के तौर पर हुई है। पीड़ित ने बताया कि मेरी पोती अंशु कुमारी(5) घर के बाहर दोस्तों के साथ खेल रही थी। इसी बीच पड़ोस का एक लड़का आया और कहने लगा कि तुम लोगों के साथ मैं भी खेलूंगा। लेकिन अंशु ने उसे मना कर दिया। गुस्से में आकर लड़के ने पोती को थप्पड़ मार दिया। इसी बात को लेकर मैंने उसे डांटा था। कुछ देर बाद उसने अपने परिजनों को बुला लिया। सबसे पहले अंकुश को मारा। इसके बाद लाठी-डंडे से मुझे और मेरी बेटी की पिटाई कर दी। बेटी को जमीन पर पटकर लात से पेट में मारा। आसपास के लोगों ने हमलोगों को बचाया। इस संबंध में थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है।वहीं, सदर अस्पताल में ऑन ड्यूटी डॉक्टर अशोक कुमार ने बताया कि लड़की के पेट और बुजुर्ग के सिर में काफी चोटें आई है। सभी का इलाज चल रहा है। जांच में जुटी पुलिस मुफस्सिल थानाध्यक्ष आशीष साह ने बताया कि थाने में पीड़ित परिवार की ओर से शिकायत दर्ज कराई गई है। बच्चों के विवाद में मारपीट की बात सामने आ रही है। छानबीन चल रही है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बच्ची को देखकर नीयत बिगड़ी, गैंगरेप के बाद हत्या की

आरोपी का कबूलनामा- एक पहरेदारी कर रहा था, दूसरे ने मुंह दबाया; बोल देती, इसलिए मारा

छपरा। में शनिवार (24 मई) को स्कूल से घर जा रही 10 साल की छात्रा की गैंगरेप के बाद गला दबाकर हत्या कर दी गई। मामले में पुलिस ने 3 नाबालिग समेत 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। 2 आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। दोनों मौसेरे भाई हैं। आरोपी गुड्डू बांसफोर ने पुलिस को दिए अपने बयान में बताया, 'शनिवार को मैं अपने साथियों के साथ आम के बगीचे में बैठा था। मेरे साथ मेरा मौसेरा भाई बिट्टू भी था। इसी बीच स्कूल से एक बच्ची अपने घर जा रही थी।''बच्ची को देखकर हम पांचों की नीयत बिगड़ गई और उसे झाड़ियों में चलने को कहा। बच्ची ने जब मना किया तो हम उसे जबरदस्ती खींचकर सुनसान झाड़ियों के बीच गड्ढे में ले गए और नीचे पटक दिया।''लड़की जब जोर-जोर से चिल्लाने लगी तो हम डर गए कि हम लोगों के बारे में बच्ची अपने घर में बता देगी, इसलिए हमलोगों ने गला दबाकर उसे मार डाला।सोमवार होने के बावजूद स्कूल में सन्नाटा पसरा था। 3 शिक्षक अपनी कुर्सियों पर बैठे बच्चों का इंतजार

कर रहे थे, लेकिन क्लासरूम पूरी तरह खाली था।टीचर का कहना है, 'बच्ची से गैंगरेप की घटना के बाद अन्य छात्राओं ने भी स्कूल आना बंद कर दिया। गांव के लोग अपनी बच्चियों को डर से स्कूल नहीं भेज रहे।''जलालपुर के इस स्कूल में 48 बच्चों का नामांकन है, जिसमें अधिकतर छात्राएं हैं, लेकिन घटना के बाद से बच्चों के पेरेंट्स इतने सहमे हुए हैं कि वे अपनी बेटियों को स्कूल भेजने से कतरा रहे हैं।'स्कूल की हेड-मास्टर रेणु देवी ने कहा, 'घटना वाले दिन मैं स्कूल नहीं आई थी। इस तरह की घटना नहीं होनी चाहिए। स्कूल के आसपास आए दिन असामाजिक लोग घूमते रहते हैं। स्कूल में कई बार चोरी हो चुकी है।'घटना के बाद हमारी टीम ने पीड़िता के पड़ोस में रहने वाली दूसरी छात्राओं के परिवारों से बात की। बच्चियों की मां का कहना है, 'अगर स्कूल के 500 मीटर के दायरे में ऐसा हो सकता है, तो हम कैसे अपनी बेटियों को अकेले भेजे?' लड़की के स्कूल और घर के बीच सिर्फ 800 मीटर की दूरी है।'एक बच्ची की मां ने कहा, 'जब तक सरकार सुरक्षा के लिए कोई ठोस इंतजाम नहीं करती, हम अपनी बेटियों को स्कूल नहीं भेजेंगे। पढ़ाई बाद में भी हो सकती है, लेकिन जान पहले है।'डर लगता है हमारे साथ कुछ गलत न हो जाए हमारी टीम ने गांव की कुछ बच्चियों से बात की। एक छात्रा ने कहा, अब स्कूल जाने का मन नहीं करता। बहुत डर लगता है कि कहीं हमारे साथ भी कुछ बुरा न हो जाए।'एक अन्य बच्ची बोली, 'अब मम्मी भी कहती हैं कि मत जाना।' इन मासूमों की आंखों में डर और आवाज में असुरक्षा साफ नजर आ रही थी।'आरोपियों को फांसी की सजा मिले 'स्कूल से निकलने के बाद हम बच्ची के घर पहुंचे। दरवाजे पर बच्ची की मां और दो बड़ी बहनें बैठी थीं। मां बिलख-बिलख के रो रही थी।इसके बाद हमने बच्ची के पिता से घटना के बारे में पूरी बातचीत की। बच्ची के पिता ने बताया, 'मैं राजमिस्त्री का काम करता हूं। शनिवार की दोपहर 12.30 बजे के आसपास खाना खाने के लिए मैं अपने घर जा रहा था।''धूप काफी तेज थी, तो नहर के किनारे पेड़ के नीचे बैठ गया। तभी गांव का ही एक युवक झाड़ियों की तरफ शौच के लिए गया था। वह उधर से चिल्लाते हुए आया कि झाड़ियों के बीच में गड्ढे में किसी बच्ची का शव पड़ा है।''हम भागे-भागे गड्ढे की तरफ गए तो देखा की वह मेरी ही छोटी बेटी थी। हमने उसे उठाया, लेकिन वह कुछ नहीं बोल रही थी। तभी हमने देखा की वहां से 3 लड़के पैदल भाग रहे थे।' 'दो मोटरसाइकिल से भाग निकले। हमने शोर मचाना शुरू किया तो गांव के और भी लोग मौके पर पहुंचे और 3 लड़कों को पकड़ लिया।

तेजप्रताप की पत्नी ऐश्वर्या बोलीं- मेरी जिंदगी क्यों बर्बाद की

अफेयर पता था तो मेरी शादी क्यों कराई, मुझे मारा तब सामाजिक न्याय कहां था

पटना। तेजप्रताप यादव और अनुष्का यादव के वायरल वीडियो-फोटो पर सोमवार को उनकी पत्नी का बयान सामने आया है। ऐश्वर्या राय ने कहा- मुझे उनके अफेयर के बारे में कुछ पता नहीं था। चुनाव पास है, इसलिए पूरा परिवार ड्रामा कर रहा है। जब मुझे मारा गया था, तब सामाजिक न्याय कहां था। सब को अफेयर की जानकारी थी तो मेरी शादी क्यों कराई थी। सोशल मीडिया पर बेटे को घर से निकाल देना कोई अलग करना नहीं होता। कल ही राबड़ी देवी तेजप्रताप के घर गई होंगी। उन्हें समझाया होगा। सब ड्रामा है। ।बड़ी देवी ने उनके आंसू पोंछकर कहा होगा- बेटा चुप रहो, हम सब ठीक कर देंगे। उन लोगों ने तेजप्रताप को पार्टी से नहीं निकाला है। सोशल मीडिया पर निकाल देने से कुछ नहीं होता।ऐश्वर्या ने कहा- मैं ये पूछना चाहती हूं कि जब इन लोगों को पता था कि ऐसी बात है तो मेरी शादी क्यों कराई। मेरी जिंदगी क्यों बर्बाद की? उनसे पूछिए कि मुझे मारा क्यों? तब इनका सामाजिक न्याय कहां गया था?ये सभी मिले हुए हैं कोई अलग नहीं हुए हैं। चुनाव है इसलिए वो ऐसा ड्रामा कर रहे हैं। मुझे सारी जानकारी मीडिया की तरफ से मिल रही है। अनुष्का के बारे में मुझे पता ही नहीं था। उनसे पूछिए कि अब मेरा क्या होगा? कोर्ट में हम बात करेंगे ।बेटे की गलतियों को छिपाने के लिए मेरे ऊपर आरोप लगाएबेटे की गलतियों को छिपाने के लिए सब आरोप लड़की पर

डाल दिया जाता है। इन्होंने मेरे लिया क्या किया। हम कोर्ट में लड़ ही रहे हैं, अब वो लोग बताएं मुझे।मेरे साथ उन्होंने ऐसा खिलवाड़ क्यो किया, इसका जवाब लालू परिवार से पूछना चाहिए। अनुष्का और सिन्हा नाम की लड़की पर उन्होंने कहा- मुझे इन लड़कियों के बारे में कोई जानकारी नहीं है।तेजस्वी बताएं मेरा क्या होगा। मैं भी तो उनकी भाभी हूं। अभी हमारा तलाक भी नहीं हुआ है।तेजप्रताप यादव की शादी मई 2018 में पूर्व उट दरोगा राय की पोती ऐश्वर्या राय से हुई थी। दोनों के बीच तलाक का मामला कोर्ट में चल रहा है। फोटो वजो उनकी पत्नी (ऐश्वर्या की मां) पूनम राय ने रिसीव किया। उन्होंने कहा- हमको ये सब पहले से पता था। सब लोगों को पता है, इसमें छुपा क्या है। आगे नो कमेंट।वकील बोले- बिना तलाक तेजप्रताप की शादी अवैधहाईकोर्ट के सीनियर वकील सर्वदेव सिंह ने बताया- 'जब मामला कोर्ट में सब ज्यूडिश है। इस हालत में एक्स्ट्रा मैरिटल रिलेशन स्थापित करना या उसे सामने लाना अपराध की श्रेणी में आता है। अगर कोई सरकारी नौकरी में रहते हुए ऐसी हरकत करता है तो नौकरी से बर्खास्त किया जा सकता है।''अगर तेजप्रताप यादव और अनुष्का यादव ने विवाह कर लिया है तो हिंदू मैरिज एक्ट में बिना तलाक लिए दूसरी शादी अवैध है। इसके तहत भी कोर्ट कार्रवाई कर सकता है।''फैमिली कोर्ट में पूर्व से निर्धारित तिथि के पहले भी ऐश्वर्या फैमिली कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकती हैं।'दरअसल, तेजप्रताप यादव के एक महिला के साथ फोटो और वीडियो वायरल हो रहे हैं। इसमें वह एक लड़की के साथ दिख रहे हैं। यूजर्स तेजप्रताप की दूसरी शादी का दावा कर रहे हैं।रविवार को आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव ने अपने बड़े बेटे तेजप्रताप यादव को पार्टी और परिवार से निकाल दिया है। लालू ने इसकी जानकारी फेसबुक पर पोस्ट करके दी।

संक्षिप्त डायरी

भोजपुर में हथियार के साथ बदमाश गिरफ्तार

भोजपुर। के चांदी थाना क्षेत्र से पुलिस ने हथियार के साथ एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान एक कट्टा मिला है। बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने सलेमपुर गांव से पकड़ा है। एसपी राज ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि सलेमपुर गांव में एक शख्स अवैध हथियार के साथ घूम रहा है। इनपुट के आधार पर पुलिस ने गांव में छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान घर से कट्टा मिला। आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है।इसके अलावा टाउन थाना पुलिस ने धरहरा से चोरी की बाइक के साथ दो बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार बदमाशों की पहचान कोईलवर वार्ड नंबर 10 कसाना कोठी निवासी तनवीर आलम और खुशी मोहल्ले के मो. साहिल के तौर पर हुई है। सोमवार देर शाम पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान चलाया था। इस दौरान दोनों पुलिस को देखकर भागने लगा। मौके पर मौजूद टीम ने खदेड़कर दोनों को पकड़ लिया। बाइक का पेपर नहीं था। कड़ाई से पूछताछ में बदमाशों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

तेजस्वी यादव फिर बने पापा,बेटे के साथ तस्वीर शेयर की

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव फिर पापा बन गए हैं। उन्होंने मंगलवार सुबह बेटे के साथ सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर की है। तेजस्वी ने बेटे की फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'आखिरकार इंतजार खत्म हुआ। घर में छोटे बच्चे के आने से बहुत खुश हूं। जय हनुमान।'वहीं, पोते को गोद में लेकर लालू यादव ने इसे गर्व का झण बताया। उन्होंने लिखा- पोते का हमारी फैमिली में स्वागत है। बुआ रोहिणी ने लिखा, 'जूनियर टूडू को ढेर सारा प्यार।' हॉस्पिटल का एक 24 सेकेंड का वीडियो सामने आया है, जिसमें वीडियो कॉल पर तेजस्वी यादव अपने पिता लालू यादव से कह रहे हैं, 'पापा, बेटा हुआ है, आपका पोता हुआ है।' राजश्री कोलकाता के अस्पताल में भर्ती हैं। 26 मई को लालू-राबड़ी बहू से मिलने कोलकाता के लिए निकले थे। 27 मार्च 2023 में तेजस्वी यादव पहली बार पिता बने थे। उस वक्त एक बेटी का जन्म हुआ था, जिसका लालू यादव ने कात्यायनी नाम रखा। उस वक्त तेजस्वी नीतीश सरकार में डिप्टी CM थे। तब परिवार लैंड फॉर जॉब्स केस में एऊ और CBI की पूछताछ का भी सामना कर रहा था। 9 दिसंबर 2021 को तेजस्वी यादव ने राजश्री यादव से शादी की थी। दिल्ली के साकेत स्थित मीसा भारती के सैनिक फार्म हाउस पर विवाह समारोह संपन्न हुआ था। पहले दोनों की सगाई हुई। उसके बाद परिवार के समक्ष तेजस्वी-रेचल (राजश्री) ने अग्नि के सात फेरे लिए थे। कार्यक्रम में पिता लालू प्रसाद यादव, मां राबड़ी देवी, बहन मीसा भारती, भाई तेजप्रताप यादव और वढ के पूर्व CM अखिलेश यादव भी पत्नी डिंपल के साथ शामिल हुए थे। तेजस्वी यादव और उनकी पत्नी की दोस्ती बचपन की है। दोनों साथ में DPS, आरके पुरम में पढ़ते थे। वहीं, 2014 से करीब आ गए थे। दोस्ती प्यार में बदली और दोनों एक-दूसरे के हो गए। तेजस्वी लालू-राबड़ी के सबसे छोटे संतान हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उन्हें माता-पिता को शादी के लिए मनाने में काफी समय लग गया था। कहा तो यहां तक जा रहा था कि लालू यादव खुद इस शादी के लिए तैयार नहीं थे। शायद इसी वजह से उन्होंने अपने कई करीबियों को भी शादी में शरीक होने का न्योता तक नहीं दिया था। राजश्री चंडीगढ़ के व्यवसायी की बेटी हैं और हरियाणा की रहने वाली हैं।

पूर्णिया में 70 लाख की शराब बरामद

पूर्णिया। में ट्रक से 70 लाख रुपए का शराब बरामद हुआ है। पुलिस को चकमा देने के लिए तस्करों ने ट्रक के अंदर तहखाना बना रखा था। इसके अलावा गाड़ी से14 हजार कैश, जीपीएस, फास्ट टैग और 2 मोबाइल भी मिला है। अररिया जीरो माइल से पूर्णिया के रास्ते नवगछिया लेकर जा रहे थे। मौके से ड्राइवर की गिरफ्तारी हुई है। ड्राइवर सुनील कुंदर(35) दिल्ली के नजफगढ़ इलाके का रहने वाला है। इस धंधे में और कौन-कौन शामिल है। इसका पता लगाया जा रहा है।एसपी कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि जलालगढ़ थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार को गुप्त सूचना मिली कि कंटेनर के अंदर छिपाकर विदेशी शराब की बड़ी खेप लाई जा रही है। इनपुट के आधार पर सदर एसडीपीओ-2 के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। मिश्रीनगर चौक पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान जांच के लिए एक ट्रक को रोका गया। तलाशी में 5733.36 लीटर शराब मिला। जिसकी अनुमानित कीमत करीब 70 लाख है। कई लोगों का नाम आया सामने सख्ती से पूछताछ करने पर ड्राइवर ने कई लोगों का नाम बताया है। जिसकी तलाश की जा रही है। इस मामले में जिसका नाम सामने आया है, उसका रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। छापेमारी टीम में जलालगढ़ थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार, सहायक खजांची थानाध्यक्ष पुरूषोत्तम कुमार, एसआई सह अपर थानाध्यक्ष आर्य पृथ्वी नायडू, एसआई शिवम कुमार, सुदीन चौक टीओपी प्रभारी पंकज कुमार, कटिहार मोड़ प्रभारी अभय रंजन, एसआई सारिका कुमारी, एसआई वंश भूषण कुमार के अलावा मद्य निषेध यूनिट शामिल थी।

उपायुक्तों को मानसून से पहले ड्रेनों की सफाई को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करने के दिए निर्देश : सीएम सैनी

मुख्य सचिव 10 जून को प्रगति की करेंगे समीक्षा, लापरवाही के लिए सम्बंधित अधिकारी होंगे जिम्मेवार

चंडीगढ़/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जिलों में बाढ़ सुरक्षा प्रयासों की निगरानी कर रहे सभी उपायुक्तों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने जिलों में मानसून सीजन से पहले ड्रेनों की सफाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देना सुनिश्चित करें।

उन्होंने इस कार्य के लिए उन्हें तुरंत एक शेड्यूल बनाने और कार्य की निगरानी के लिए अपने अधीनस्थ अधिकारियों को नियुक्त करने के निर्देश दिए ताकि ड्रेन की सफाई का कार्य हर हाल में 15 जून, 2025 से पहले पूरा हो सके। इसके अतिरिक्त, फील्ड में कार्यरत सभी अधीक्षण अभियंताओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके संबंधित क्षेत्रों में ड्रेनों की सफाई सही तरह से की जाए। मुख्यमंत्री आज यहां सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग तथा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के साथ अल्पकालिक बाढ़ सुरक्षा कार्यों तथा ड्रेनों की आंतरिक सफाई की प्रगति की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। ड्रेनों की आंतरिक सफाई की वर्तमान गति पर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मानसून आने में बहुत कम समय बचा है और अभी यह काम शेष है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित करते हुए इस सम्बन्ध में सभी लंबित कार्यों को बिना देरी के पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी अन्य प्रशासनिक सचिवों के साथ 10 जून को फिर से इस कार्य प्रगति की समीक्षा करेंगे।

यदि किसी अधिकारी की ओर से कोई लापरवाही पाई जाती है तो उसके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में ली जाएगी। बाढ़ सुरक्षा के व्यापक उपायों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अधिकारी अल्पकालिक उपायों पर फोकस करते हुए बाढ़ नियंत्रण से संबंधित चल रही योजनाओं को पूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को जल निकासी के लिए आवश्यक पंपों की स्थिति और उपलब्धता का आकलन करने के भी निर्देश दिए। इसके अलावा, उन्होंने अधिकारियों को विशिष्ट क्षेत्रों में जलभराव के कारणों की पहचान करने तथा स्थायी समाधान प्रदान करने के लिए लक्षित योजनाएं बनाने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधियों और पंचायतों द्वारा अनुशंसित बाढ़ सुरक्षा कार्यों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए तथा उन्हें जल्द से जल्द पूरा किया जाना चाहिए।

बैठक में मुख्यमंत्री ने टांगरी और मारकंडा नदियों में गाद निकालने के काम की भी समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक के दौरान बताया गया कि सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग मानसून के दौरान जल भंडारण के लिए एसवाईएल और हांसी-बुटाना लिंक नहरों के मौजूदा चैनलों का उपयोग करने के लिए एक महत्वाकांक्षी परियोजना पर काम कर रहा है।

इस योजना में ड्रेनों सहित घग्गर नदी के पानी को इन दोनों नहरों में भेजना और पानी को रोकने के लिए अस्थायी अवरोधों का निर्माण करना शामिल है।

इस पहल का उद्देश्य न केवल बाढ़ नियंत्रण और भूजल को रिचार्ज करना है, बल्कि सिंचाई की जरूरतों को पूरा करना भी है।

रोहतक में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़, 2 आरोपी गिरफ्तार

रोहतक : बीती रात करीब 1 बजे रोहतक के बाईपास गोहाना जींद रोड पर बाइक सवार बदमाशों और सीआईए-2 के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में 2 बदमाशों के पैरों में गोली लगी। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर पीजीआई के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया। वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे बदमाश जानकारी के अनुसार पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि गोहाना जींद रोड पर 2 बदमाश बाइक से शहर की तरफ आ रहे हैं, जो किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना के बाद टीम मौके पर पहुंची और आरोपियों को रोकने का प्रयास किया। इसी दौरान आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी। मुठभेड़ में करीब 9 से 10 राउंड फायरिंग हुई, जिसमें दो बदमाशों के पैर में गोली लगी। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर पीजीआई के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया। घायल बदमाशों की पहचान गांव पोलंगी निवासी पूरण और गांव खरैंटी निवासी अमन के रूप में हुई। आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। आरोपी अमन पर 3 से 4 केस दर्ज हैं, जबकि पूरण पर 2 केस दर्ज हैं। आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड को खंगाला जा रहा है। पुलिस मामले में दोनों आरोपियों से पूछताछ भी कर रही है। सीआईए-2 प्रभारी सतीश कुमार ने कहा कि मुठभेड़ के बाद पकड़े गए दोनों आरोपियों से पूछताछ की जाएगी। दोनों के आपराधिक रिकॉर्ड को भी खंगाला जा रहा है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

पानीपत में कहासुनी की शिकायत करने थाने पहुंचा पूर्व फौजी, अचानक हो गई मौत,परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

इसराना । पुलिस स्टेशन इसराना में सोमवार को एक रिटायर्ड फौजी को मौत का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान दिलबाग सिंह पुत्र चंद्र सिंह निवासी चमराडा के रूप में हुई। मृतक के भाई जगबीर ने बताया कि वह सोमवार को इसराना थाना में भाई दिलबाग सिंह के साथ गांव में पड़ोसी के साथ हुई कहासुनी की शिकायत देने के लिए आए थे। जब वह थाने में पहुंचे तो भाई दिलबाग सिंह बेहोश होकर जमीन पर गिर गया। इसके पश्चात थाना प्रभारी महीपाल उन्हें तुरंत उपचार के लिए एनसी मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि पूर्व फौजी की मौत दिल का दौरा पड़ने के कारण हुई। थाना प्रभारी महीपाल ने बताया कि मृतक पूर्व फौजी के शव का पोस्टमार्टम करवा स्वजन को सौंप दिया है।

बेटी से मिलने हिसार की जेल नंबर 2 में पहुंचे पिता हरीश, 14 दिन की न्यायिक हिरासत में है बंद

हिसार : पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार हरियाणा के हिसार की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के पिता हरीश मल्होत्रा ने मंगलवार को हिसार की जेल नंबर 2 में अपनी बेटी से मुलाकात की। ज्योति पर पाकिस्तान उच्चायोग के एक अधिकारी, दानिश, के साथ संदिग्ध संपर्क और संवेदनशील जानकारी साझा करने का आरोप है। जांच में शामिल राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और खुफिया ब्यूरो (आईबी) ने ज्योति से गहन पूछताछ की है, जिसमें उनके मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की फॉरेंसिक जांच चल रही है। वहीं, हिसार कोर्ट ने ज्योति की पुलिस रिमांड को हाल ही में चार दिन के लिए बढ़ाया था, और अब वह जेल नंबर 2 में हिरासत में हैं। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि क्या ज्योति का किसी आतंकी साजिश, खासकर हाल के पहलगाम हमले, से कोई संबंध था। हालांकि, पुलिस ने अभी तक यह स्पष्ट किया है कि ज्योति के पास प्रत्यक्ष सैन्य या रक्षा जानकारी नहीं थी, लेकिन उनके संदिग्ध संपर्कों की गहन जांच जारी है। हिसार जिला कोर्ट ने ज्योति की पुलिस रिमांड खत्म होने के बाद उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। अब वह जेल नंबर 2 में हैं। पाकिस्तान के लिए जसूसी करने के आरोप में गिरफ्तार की गई यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को हिसार कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। हिसार पुलिस ने चार दिन की रिमांड पूरी होने के बाद आज उसे कोर्ट में पेश किया गया था, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। कड़ी सुरक्षा के बीच पुलिस ने ज्योति मल्होत्रा को कोर्ट में पेश किया था। बता दें ज्योति मल्होत्रा उन 12 लोगों में शामिल हैं,

जिन्हें जासूसी के संदेह में पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि उन्होंने ज्योति मल्होत्रा के मोबाइल फोन और लैपटॉप से 12 TB से अधिक डिजिटल डेटा बरामद किया है। फोरेंसिक विश्लेषण में पीआईओ (पाकिस्तानी खुफिया संचालक) के रूप में वर्गीकृत कम से कम चार व्यक्तियों के साथ आमने-सामने की बातचीत, संदिग्ध धन के लेन-देन और पाकिस्तान की यात्रा के दौरान प्राप्त वीआईपी उपचार के सबूत मिले हैं।

करनाल में सिक्योरिटी गार्ड ही निकले चोर, डुप्लीकेट चाबी के जरिए की चोरी

मूनक। हरियाणा के करनाल जिले में डुप्लीकेट चाबी लगाकर कुताना यार्ड से तीन सिक्योरिटी गार्ड सामान चोरी कर ले गए। मूनक थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में झज्जर निवासी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि वह एक्सल सिक्योरिटी में एएसओ के पद पर पानीपत में तैनात है। उनकी कंपनी के गार्ड एलटी कुताना यार्ड में तैनात हैं। 23 मई की रात को करीब दो बजे सिक्योरिटी के तीन गार्डों ने साजिश रचकर यार्ड की डुप्लीकेट चाबी बनाकर एक पिकअप गाड़ी में यार्ड से लोहे का सामान चोरी कर लिया। तीन गार्ड भी मौके से भाग गए। उनका मोबाइल नंबर भी बंद है। आरोपित बाइक भी मौके पर छोड़ गए। जिस बाइक पर तीनों गार्ड आते थे। तीनों गार्ड दुराना गांव जींद के रहने वाले है। कर्ण स्टेडियम से खिलाड़ी का सामान चोरी कर्ण स्टेडियम से एक खिलाड़ी का बैग, बाइक व मोबाइल चोरी हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में टपराना निवासी अमन ने बताया कि वह कर्ण स्टेडियम में अभ्यास करने आता है। 21 मई की शाम पांच बजे उसकी बाइक, मोबाइल व बैग चोरी हो गया। उसका आई फोन 13 था।

सोनीपत के अस्पताल में फ्री में मिलेगी ये सुविधा, प्राइवेट हॉस्पिटल में लगते हैं हजारों रुपये

गोहाना। नागरिक अस्पताल गोहाना में जल्द स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होने जा रहा है। अस्पताल में निकट भविष्य में बायोकेमिस्ट्री टेस्ट होंगे, जिससे मरीजों के लिवर व किडनी के फंक्शन का पता चल सकेगा। बायोकेमिस्ट्री टेस्टों की कीमत बाजार में 200 रुपये से लेकर 5,000 रुपये तक है लेकिन अस्पताल में यह सुविधा फ्री में मिल सकेगी। अस्पताल में ब्लड स्टोरेज यूनिट खोलने की भी तैयारी शुरू कर दी है। मुख्यालय द्वारा टेस्ट और ब्लड स्टोरेज यूनिट शुरू करने के लिए मशीनें भेज दी हैं। इन मशीनों को जल्द असेंबल किया जाएगा, जिसके बाद विशेषज्ञ अस्पताल के स्टाफ को प्रशिक्षण भी देंगे। अस्पताल में भेजी गई मशीनें नागरिक अस्पताल गोहाना की लैब में अब तक सबसे मुख्य टेस्टों में सीबीसी की सुविधा है। यहां पर लिवर, किडनी समेत प्रमुख बीमारियों का पता लगाने के लिए बायोकेमिस्ट्री टेस्टों की सुविधा नहीं है। मरीजों को एलएफटी (लिवर फंक्शन टेस्ट), केएफटी (किडनी फंक्शन टेस्ट) टेस्ट करवाने के लिए प्राइवेट लैबों पर जाना पड़ता है। एलएफटी व केएफटी बाजार में करवाने पर 500 से 800 रुपये खर्च करने पड़ते हैं। अन्य बीमारियों का पता लगाने के लिए भी मरीजों को टेस्ट करवाने पड़ते हैं, जिन पर हजारों रुपये खर्च हो जाते हैं। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिक अस्पताल में बायोकेमिस्ट्री टेस्ट शुरू करने के लिए मशीनें भेज दी हैं। इसके साथ में ब्लड स्टोरेज यूनिट शुरू करने के लिए भी मशीन भेजी गई। ब्लड स्टोरेज यूनिट शुरू होने के बाद यहां पर गंभीर मरीजों का उपचार शुरू हो सकेगा। अब आपातकालीन विभाग से अधिकतर मरीजों को रेफर किया जाता है। अस्पताल में शुरू हो सकती है डायलिसिस की सुविधा नागरिक अस्पताल में ब्लड स्टोरेज यूनिट शुरू होने के बाद विभाग यहां पर डायलिसिस की सुविधा भी शुरू कर सकता है। इसके अलावा मरीजों के बड़े आपरेशन भी शुरू किए जा सकते हैं। गोहाना के लोग रक्तदान के क्षेत्र में काफी अग्रणी हैं। सामाजिक संगठनों द्वारा लगातार रक्तदान शिविर लगाए जाते हैं। अस्पतालों द्वारा जब भी आपात स्थिति में मांग की जाती है तब एक या दो दिन की सूचना में भी शिविर लगाकर रक्त संकलन किया जाता है।

फरीदाबाद सूरज मर्डर मामले में दो आरोपी गिरफ्तार, पुलिस रिमांड पर खोलेंगे बड़े राज

फरीदाबाद। फरीदाबाद में क्राइम ब्रांच बदरपुर बार्डर की टीम ने सूरज की हत्या में फरार चल रहे दो अन्य आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में रोहित नागर और अजय भड़ाना शामिल है। दोनों को यूपी के गौतमबुद्ध नगर के नवादा गांव से गिरफ्तार किया गया है।ओम एन्क्लेव के रहने वाले रोहित पार्किंग का काम करता है। जबकि अजय भड़ाना एमसीडी टोल पर नौकरी करता है। पूछताछ में सामने आया है कि आरोपित रोहित नागर देशी कट्टा उपलब्ध कराया था। अजय भड़ाना ने मुखबिरी की थी और मृतक सूरज का लोकेशन मुख्य आरोपितों को बताया था।इस मामले में 18 मई को रोहन उर्फ गुल्लू और आकाश को गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपितों ने 17 मई को रात के समय इस्माइलपुर ठेका के पास सूरज नामक युवक को गोली मारकर हत्या की थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपित रोहित नागर को तीन दिन की रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है।

29 मई के आसपास एक नया पश्चिमी विक्षोभ होगा सक्रिय

हरियाणा : हरियाणा के लोगों के लिए गर्मी और बारिश का खेल जारी है। दिन में जहां तेज धूप लोगों को बेहाल कर रही है वहीं रात के समय अचानक आंधी और बारिश राहत तो देती है पर कई बार परेशान भी कर देती है। खासकर बीते कुछ दिनों में जो बारिश हुई उसनेहरियाणा के तापमान को कुछ हद तक नीचे गिरा दिया है। लेकिन 26 मई का मौसम फिर से कई जिलों में करवट लेने को तैयार है। मौसम विभाग ने ताजा अलर्ट जारी किया है जिसमें बताया गया है कि कहां तेज धूप सताएगी और कहां बारिश से मिलेगी राहत। गुरुग्राम और फरीदाबाद की बात करें तो यहां धूप का असर कम नहीं होगा। हालांकि आसमान में हल्के बादल जरूर दिखेंगे, लेकिन गर्मी से राहत नहीं मिलेगी। गुरुग्राम और फरीदाबाद में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। हरियाणा में हालिया दिनों में जो बारिश और आंधी आई थी, उसने गर्मी की तपिश को थोड़ी राहत जरूर दी। पिछले रविवार को प्रदेश में अधिकतम तापमान 40 डिग्री से नीचे रिकॉर्ड किया गया जो गर्मी के इस सीजन में बड़ी राहत मानी जा रही है लेकिन अब फिर से मौसम पलटने को तैयार है। मौसम विभाग की भविष्यवाणी के अनुसार हरियाणा और एनसीआर में आने वाले 2-3 दिन तक मौसम में हलचल बनी रहेगी। कहीं-कहीं हल्की बारिश तो कहीं तेज गर्मी का दौर जारी रहेगा।29 मई के आसपास एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है जिससे हरियाणा, पंजाब और दिल्ली में फिर से हल्की बारिश हो सकती है। इससे तापमान और गिरावट आ सकती है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किसानों से अपील है कि वे अपनी फसलों में रासायनिक खादों और कीटनाशकों का उपयोग करने से बचें।

कुरुक्षेत्र : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किसानों से अपील की है कि वे अपनी फसलों में रासायनिक खादों और कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग करने से बचें। उन्होंने कहा कि हमारी आने वाली पीढ़ी सशक्त और मजबूत हो, इसके लिए हमें प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ना होगा। किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे न केवल मिट्टी की उर्वरा बनी रहती है, बल्कि पर्यावरण और स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने हेतु हरियाणा सरकार किसानों को एक देसी गाय की खरीद पर 30 हजार रुपये तक की सब्सिडी प्रदान कर रही है, जिससे वे गो-आधारित जैविक विधियों को अपनाकर टिकाऊ कृषि की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे। मुख्यमंत्री सोमवार को जिला कुरुक्षेत्र के गांव बिहोली में राजकीय पशु चिकित्सा पॉलीक्लिनिक के उद्घाटन करने उपरांत उपस्थितजन को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने गांव के विकास कार्यों के लिए 21 लाख रुपये देने की घोषणा की।मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 4 करोड़ 67 लाख रुपये की लागत से बना यह पॉलीक्लिनिक आसपास के क्षेत्र के पशुओं को विशेष पशुचिकित्सा सेवाएं प्रदान करेगा। इस पॉलीक्लिनिक में पैथोलॉजी, पैरासिटोलॉजी, गायनो कोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, सर्जरी, अल्ट्रासाउंड, एक्स-रे जैसी सेवाओं के साथ-साथ इनडोर एवं आउटडोर इकाइयाँ भी उपलब्ध रहेगी। साथ ही, यह संस्थान विशेषज्ञ पशु चिकित्सा अधिकारियों, तकनीशियनों और सहायक स्टाफ से सुसज्जित होगा, जिससे यह एक आदर्श पशु चिकित्सा केन्द्र के रूप में स्थापित होगा। वर्तमान समय में पशुपालन क्षेत्र में आ रही चुनौतियों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज दुधारू पशुओं की कीमत हजारों में नहीं, लाखों में है। भूमिहीन और छोटे किसानों के लिए इतना महंगा पशु खरीदना मुश्किल होता है। यदि वह खरीद भी लेता है तो उसे पशु के स्वास्थ्य की चिंता रहती है। इन हालातों में पशु चिकित्सा संस्थानों का महत्व बहुत बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि इस समय पूरे राज्य में 6 राजकीय पशु चिकित्सा पॉलीक्लिनिक चल रहे हैं। ये सिरसा, जींद, रोहतक, भिवानी, सोनीपत और रेवाड़ी में स्थित हैं। अब कुरुक्षेत्र का यह पॉलीक्लिनिक 7वां केन्द्र बन गया है। उन्होंने कहा कि जिला कुरुक्षेत्र में इस समय 49 राजकीय पशु चिकित्सालय एवं 72 राजकीय पशु औषधालय चल रहे हैं। इनमें पशु चिकित्सकों के 51 पदों में से 47 पद तथा वी.एल.डी.ए के 130 में से 119 पद भरे हुए हैं। नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार लगातार गौवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए कार्य कर रही है। पिछले 10 वर्षों में राज्य में लगभग 650 गौशालाएं खोली गई हैं। वर्ष 2014 से पहले गौशालाओं के लिए सरकार का बजट मात्र 2 करोड़ रुपये था, जबकि आज वर्तमान सरकार ने इस बजट को बढ़ाकर 500 करोड़ रुपये से अधिक किया है ताकि कोई भी गौवंश बेसहारा न रहे। दुग्ध उत्पादन में हरियाणा अग्रणीः सीएम सैनी मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें प्रदेश के किसानों और पशुपालकों पर गर्व है, जिनकी कड़ी मेहनत से हरियाणा को पशुपालन में विशेष पहचान मिली है। हालांकि, राज्य में देश के दुधारू पशुओं का मात्र 2.1 प्रतिशत हिस्सा है, फिर भी हम देश के कुल दूध उत्पादन का 5.11 प्रतिशत योगदान करते हैं। वर्ष 2023-24 में हरियाणा ने 1 करोड़ 22 लाख 20 हजार टन दूध का उत्पादन किया था। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि हमारे प्रगतिशील पशुपालक इसमें लगातार बढोतरी करते जाएंगे। हमारी प्रति व्यक्ति प्रतिदिन दूध उपलब्धता भी राष्ट्रीय औसत से 2.34 गुणा है। राष्ट्रीय औसत 471 ग्राम है, जबकि हरियाणा की 1105 ग्राम है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य नस्ल सुधार करके और अधिक दूध का उत्पादन करना है।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक प्रोत्साहन योजना के तहत सामान्य दुध उत्पादकों को 5 रुपये प्रति लीटर तथा गरीब परिवारों के दूध उत्पादकों को 10 रुपये प्रति लीटर की दर से सब्सिडी दी जाती है। इतना ही नहीं, सहकारी दुग्ध उत्पादक समितियों के दुग्ध उत्पादकों के 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले दसवीं के बच्चों को 2,100 रुपये व बारहवीं कक्षा के लिए 5,100 रुपये की छात्रवृत्ति दी जाती है। सहकारी दुग्ध उत्पादक समितियों के दुग्ध उत्पादकों का 10 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा करवाया जाता है। अब तक कुल 78 बीमा दावों के लिए 4 करोड़ 40 लाख रुपये का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि राज्य के पशुपालकों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय सामूहिक पशुधन बीमा योजना' के अन्तर्गत बड़े पशु की दूध उत्पादन क्षमता अनुसार 100 रुपये से 300 रुपये तथा छोटे पशु जैसे-भेड़, बकरी व सूअर इत्यादि का केवल 25 रुपये प्रति पशु के अनुसार प्रीमियम पर बीमा किया गया है।

गुमड़ से खेड़ी गुर्जर का सफर होगा आसान, 5 किलोमीटर लंबी सड़क का काम हुआ शुरू

गन्नौर। दो वर्षों से अधूरी पड़ी गुमड़ से खेड़ी गुर्जर रोड तक जाने वाली सड़क पर निर्माण कार्य शुरू हो गया है। पीडब्ल्यूडी द्वारा सड़क पर डामर की पहली परत बिछा दी गई है, जिससे ग्रामीणों के आवागमन में अब सुगमता आ गई है। इस 5 किलोमीटर लंबी सड़क को अब 12 फुट से 18 फुट चौड़ा किया गया है। जिससे सड़क मार्ग पर आवाजाही वाहन चालकों के लिए सुगम हो गई है। गौरतलब है कि यह सड़क पिछले लंबे समय से क्षतिग्रस्त अवस्था में थी। जिसके चलते दो साल पहले पीडब्ल्यूडी द्वारा इस सड़क का नए सिरे से निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया था। फसल ले जाने वाले किसानों के राहत उस समय सड़क के कुछ हिस्से पर रोड़ा भी डलवा दिया गया, लेकिन उसका निर्माण नहीं किया गया। ऐसे में किसानों व सड़क से गुजरने वाले छात्रों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही थी।

पंचकूला सामूहिक आत्महत्या मामला : गठित की गई जांच टीम

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के पंचकूला जिले में सामूहिक आत्महत्या की दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। सेक्टर-27 स्थित एक मकान के बाहर खड़ी कार में एक ही परिवार के सात लोगों के शव मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला संदिग्ध मानते हुए जांच शुरू कर दी है और इस संवेदनशील मामले की तह तक जाने के लिए 5 सदस्यीय जांच टीम का गठन किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, डीसीपी हिमाद्री कौशिक और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। टीमों ने कार की गहन जांच की और साक्ष्य जुटाने का काम शुरू किया। डीसीपी कौशिक ने बताया कि सभी मृतक एक ही परिवार के सदस्य थे और प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि सभी एंगल से जांच की जा रही है। फिलहाल सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पंचकूला पुलिस के मुताबिक, कार से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है, लेकिन कुछ व्यक्तिगत सामान और पदार्थ ऐसे मिले हैं, जिनकी जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी। प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच को तेजी देने और किसी भी संभावित एंगल को नजरअंदाज न करने के निर्देश दिए हैं। पूरे शहर में इस घटना के बाद शोक और सन्नाटा पसरा हुआ है।

टीडीपी पार्टी कल्याण, सुधार और विकास के लिए एक ट्रेंडसेटर : नायडू

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीडीपी सुप्रीमो और मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि केंद्र में विभिन्न सरकारों द्वारा लिए गए कई फैसलों में टीडीपी ने अहम भूमिका निभाई है और पार्टी कल्याण, सुधार और विकास के लिए एक ट्रेंडसेटर है। टीडीपी महानाडु को संबोधित कर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते 43 सालों में टीडीपी ने कई चुनौतियों का सामना किया है। कई लोगों ने कहा कि पार्टी खत्म हो गई है, लेकिन इसका झंडा हमेशा ऊंचा रहा है। सीएम ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा (अलग-अलग समय पर) लिए गए कई फैसलों में टीडीपी ने अहम भूमिका निभाई है। आंध्र प्रदेश आज जो सोचता है, भारत कल वहीं सोचता है, यह कई बार साबित हो चुका है। उन्होंने कहा कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं को काफी नुकसान उठाना पड़ा और कई टीडीपी कार्यकर्ताओं की जान गई। उन्होंने कहा कि देश में कई राजनीतिक दल हैं। लेकिन टीडीपी एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसने लोगों के जीवन को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि जब संगठनात्मक ताकत की बात आती है, तब टीडीपी देश की सबसे मजबूत पार्टियों में से एक है। नायडू ने कहा कि पार्टी ने मात्र 45 दिनों में एक करोड़ सदस्यों को जोड़कर सदस्यता अभियान पूरा किया है। आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ पार्टी का तीन दिवसीय वार्षिक सम्मेलन टीडीपी महानुडु मंगलवार को यहां शुरू हुआ। यह 27 से 29 मई तक चलेगा।

29 मई को पटना पहुंच रहे पीएम मोदी, बिहारवासियों को 50 हजार करोड़ की सौगात मिलेगी

पटना (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 29 मई को होने वाली बिहार दौरे को लेकर पटना में तैयारियां चल रही हैं। इस लेकर बिहार बीजेपी अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने मंगलवार को प्रेसवार्ता की। उन्होंने बताया कि पीएम के दौरे को लेकर राज्य भर में भारी उत्साह है। बिहारवासियों को 50 हजार करोड़ की सौगात मिलने वाली है। यह दौरा सिर्फ कार्यक्रम नहीं, बल्कि ऐतिहासिक मौका है। जायसवाल ने बताया कि पटना का नया और भव्य एयरपोर्ट अब बनकर तैयार है। इसका उद्घाटन खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करने वाले है। साथ ही बिहटा में प्रस्तावित एयरपोर्ट का शिलान्यास भी पीएम मोदी करने वाले है। इससे राज्य के इन्फ्रास्ट्रक्चर को और मजबूती मिलेगी। पीएम मोदी पटना में रोड शो करने वाले है। यह रोड शो एयरपोर्ट से शुरू होकर शेखपुरा मोड़, इनकम टैक्स गोलंबर होते हुए बीजेपी प्रदेश कार्यालय तक जाएगा। रास्ते में 32 जगहों पर स्वागत मंच लगाए जाएंगे। यहां आम लोग और पार्टी कार्यकर्ता पीएम का स्वागत करने वाले है। इस लेकर पटना को सजाया जा रहा है, प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों की तैयारियां भी जोरों पर हैं। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी करीब 20 जून तक फिर बिहार आ आएंगे। इस दौरान वे बिहार को और भी कई बजे सौगात दे सकते है।

कर्ज से परेशान होकर एक ही परिवार के 7 लोगों ने जहर खाकर दी जान

पंचकूला (एजेंसी)। यहां एक ही परिवार के 7 लोगों ने कार में खाया जहर खाकर जान दे दी। मूलरूप से उत्तराखंड के रहने वाले परिवार में दंपति, उनके तीन बच्चे और दो बुजुर्ग ने संदिग्ध हालत में जहर खा लिया। सातों को सेक्टर-26 के एक प्राइवेट अस्पताल में ले जाया गया, जहां पर एक को छोड़कर बाकी सभी को मृत घोषित कर दिया गया। जो बचा था, उसने सिविल अस्पताल में दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार सेक्टर 27 में एक खाली प्लॉट के सामने खड़ी कार में प्रवीण मित्तल (42), उनकी पत्नी, तीन बच्चे (एक बेटा व दो बेटियां) और प्रवीण के बुजुर्ग माता-पिता सोमवार रात सवा 12 बजे संदिग्ध अवस्था में मिले। राहगीरों ने तुरंत पुलिस को मामले की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस बुलवाकर सातों को सेक्टर 26 के एक प्राइवेट अस्पताल पहुंचवाया। वहां पर प्रवीण को छोड़कर परिवार के बाकी सभी सदस्यों को मृत घोषित कर दिया गया। प्रवीण की गंभीर हालत को देखते हुए उसे सेक्टर 6 के सरकारी अस्पताल रेफर कर दिया गया लेकिन इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। जांच में पुलिस को कार से बच्चों के स्कूल बैग, खाने पीने का सामान, कपड़े व अन्य चीजें मिली हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद पंचकूला की डीसीपी हिमांद्री कौशिक, डीसीपी क्राइम अमित दहिया व थाना पुलिस मौके पर पहुंची। सीन ऑफ क्राइम टीम और एसएफएल टीम ने भी मौके से सबूत जुटाए। प्राइवेट अस्पताल में खड़ी मृतक परिवार की उत्तराखंड नंबर वाली कार का भी मुआयना किया। पुलिस की प्राथमिक जांच में यह मामला सामूहिक आत्महत्या का लग रहा है। परिवार पंचकूला में किराए के मकान में रह रहा था। पुलिस के अनुसार परिवार के करीबी लोगों का कहना है कि प्रवीन मित्तल के परिवार पर भारी कर्ज था। कुछ समय पहले उन्होंने देहरादून में टूर एंड ट्रैवल्स का बिजनेस शुरू किया था। उसमें भी उनको घाटा हुआ।

पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र कर सीएम उमर ने केंद्र से की पर्यटन पुनर्जीवन की मांग

पहलगाम (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए हालिया आतंकी हमले के बाद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने राज्य में शांति और विकास के संदेश को मजबूती देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। मंगलवार, 27 मई को पहलगाम में एक विशेष कैबिनेट बैठक आयोजित कर उन्होंने केंद्र सरकार से जम्मू-कश्मीर में पर्यटन को पुनर्जीवित करने के लिए ठोस समर्थन की मांग की है।

सीएम उमर अब्दुल्ला ने केंद्र से अपील की कि कश्मीर में सार्वजनिक उपक्रमों और संसदीय समितियों की बैठकें आयोजित की जाएं, ताकि जनता में विश्वास पैदा हो और देश-दुनिया को यह संदेश मिले कि घाटी आतंकवाद से नहीं, सकारात्मक बदलावों से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि यह मांग पहले भी नीति आयोग की गवर्निंग कार्उसिल की बैठक में रखी जा चुकी है।

सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा, कि हमारी सरकार लोगों के मन से डर हटाकर उन्हें

विश्वास और सुरक्षा का अहसास दिलाने के लिए काम कर रही है। इससे पर्यटन उद्योग को फिर से जीवंत करने में मदद मिलेगी और घाटी में सामान्य स्थिति लौटेगी। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले 5-6 सप्ताह कश्मीर के लिए बेहद कठिन रहे हैं और इस दौर से उबरने के लिए सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है।

श्रीनगर-जम्मू से बाहर पहली कैबिनेट बैठक

यह पहली बार है जब उमर अब्दुल्ला सरकार ने अपने मौजूदा कार्यकाल में श्रीनगर या जम्मू से बाहर कैबिनेट बैठक आयोजित की है। उन्होंने 27 मई को गुलमर्ग में भी एक विशेष बैठक बुलाने का ऐलान किया है, जिसमें उत्तरी कश्मीर से संबंधित अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। गौरतलब है कि अपने पिछले कार्यकाल (2009-14) के दौरान भी उमर अब्दुल्ला ने गुरेज, माछिल, तंगधार, राजौरी और पुंछ जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों में कैबिनेट बैठकें आयोजित कर ऐसी पहल की थी।

अलर्ट पर प्रशासन, लोगों में भरोसा लौटाने की कोशिश

पहलगाम हमले के बाद जहां प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्क हो गया है, वहीं इस तरह की पहल से सरकार यह संकेत देना चाहती है कि जम्मू-कश्मीर में शांति बहाल करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। सरकार को उम्मीद है कि इस पहल से न केवल राज्य का पर्यटन उद्योग फिर से पटरी पर आएगा, बल्कि यहां की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

कलेक्टर तरन्नुम पर विवादित टिप्पणी कर फंसे बीजेपी नेता, कर्नाटक कांग्रेस हमलावार

कलबुर्गी। कर्नाटक के कलबुर्गी जिले में भाजपा एमएलसी और विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन रविकुमार द्वारा जिला कलेक्टर फौजिया तरन्नुम पर की गई भड़काऊ टिप्पणी के बाद विवाद बढ़ गया है। बीजेपी नेता रविकुमार ने कथित तौर पर कहा था, मुझे नहीं पता कि डीसी पाकिस्तान से आई हैं या यहां की कोई आईएएस अधिकारी हैं। यह टिप्पणी चित्तपुर में हाल ही में हुई घटना से संबंधित चल रहे तनाव के बीच आई है। डिप्टी कमिश्नर तरन्नुम के खिलाफ कथित टिप्पणी के लिए भाजपा एमएलसी कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। इस पूरे मामले में कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी नेता कुमार ने जो कुछ भी कहा वह उचित नहीं है। यह दुश्मनी पैदा करने वाला बयान है। उन्हें (कलबुर्गी डीसी तरन्नुम) कुछ नहीं होगा, लेकिन यह समाज में दुश्मनी पैदा करने के लिए है। उनके खिलाफ़ पुलिस शिकायत और एफआईआर दर्ज की जाएगी। मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं। वहीं उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा संघ के अधिकारी और अन्य लोग आज सुबह मुझसे मिले। वे हैरान हैं। वह (फौजिया तरन्नुम) बहुत साफ-सुथरी अधिकारी हैं। यह एक महिला अधिकारी के प्रति उनका सम्मान है। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने रविकुमार की टिप्पणी की निंदा कर बेहद अप्रिय बताया। उन्होंने कहा, देश भर के भाजपा नेताओं और उनके भाषणों को देखिए, यह एक बेहद परेशान करने वाली मानसिकता को दिखाता है। एक सम्मानित अधिकारी के खिलाफ इस तरह के आरोप लगाना अस्वीकार्य है। कांग्रेस नेता और राज्य मंत्री शरण प्रकाश पाटिल ने भाजपा पर अनावश्यक रूप से तनाव बढ़ाने और प्रशासन का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया।

आदित्य ठाकरे का बीजेपी से सवाल, मुंबईकरों से इतनी दुश्मनी क्यों

मुंबई (एजेंसी)। बालासाहेब ठाकरे और ऑपरेशन सिंदूर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कथित बयान पर शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे ने पलटवार किया है। आदित्य ने कहा कि ये सभी बयान ठीक हैं, लेकिन मुंबईकरों को जवाब चाहिए कि भाजपा ने मुंबई को इस स्थिति में क्यों पहुँचाया हैं, जो स्थिति हम सभी ने कल देखी (जलभराव) भाजपा के मन में मुंबई के लिए इतनी दुर्भावना क्यों है? भाजपा मुंबई को क्यों खत्म करना चाहती है? बारिश के कारण हजारों हेक्टेयर भूमि का नुकसान हुआ है। किसानों को कोई मदद क्यों नहीं दी गई?

ठाकरे ने कहा कि चाहे मुंबई, ठाणे, या पुणे, कई शहरों में स्थिति खराब हो रही है। हमारे शहरों को कोई मदद क्यों नहीं मिल रही है? इससे पहले ठाकरे ने कहा था कि यह मुंबई और पुणे में भाजपा का घोटाला है। पिछले 2-3 हफ़्तों से हम मुंबई, पुणे और महाराष्ट्र के अलग-अलग इलाकों में भारी बारिश देख रहे हैं। किसानों को इस सरकार ने कोई मदद या समर्थन नहीं दिया है। इसी तरह, हमारे शहरों की जो भयानक स्थिति है, वह मेट्रो और सड़क घोटाले जैसे खराब नियोजित बुनियादी ढांचे के कारण है, जिसमें एकनाथ शिंदे (उपमुख्यमंत्री) शामिल हैं।

दरअसल केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा था कि अगर शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे जीवित होते, तब 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के लिए वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को गले लगाते। शाह ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उबाठा) की आलोचना कर कहा कि भारत का संदेश पहुंचाने के लिए साझेदार देशों का दौरा करने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का ''बारात'' कहकर मजाक उड़ाया।

समीकरणों के बदलाव की आहट: राज्यसभा में बढ़ बढ़ी सकती हैं विपक्ष की सीटें

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले माह 19 जून को होने वाले राज्यसभा चुनाव में तमिलनाडु की 6 सीटों के लिए मतदान होना है तो वहीं असम की दो सीटों के लिए भी वोटिंग होनी है। ये सीटों राज्यसभा सदस्यों के रिटायरमेंट के चलते खाली हो रही हैं। तमिलनाडु के 6 सदस्य जुलाई में रिटायर होंगे, जबकि असम के दो सदस्यों का जून महीने में कार्यकाल समाप्त हो रहा है। तमिलनाडु में जिन 6 सीटों पर इलेक्श होना है, उनमें से तीन पर अब तक डीएमके के सदस्य थे। इसके अलावा तीन सीटों पर पीएमके, एआईएडीएमके और एमडीएमके के मेंबर सांसद थे। इससे संभावना है कि विपक्ष की सीटें बढ़ सकती हैं।

फिलहाल तमिलनाडु विधानसभा का जो समीकरण है, उसके हिसाब से डीएमके

का नंबर तीन से 4 हो सकता है। इसके अलावा यदि कांग्रेस के साथ सहमति बनी तो फिर डीएमके एक सीट उसे भी दे सकती है। ऐसा होने पर भी विपक्षी गठबंधन के खाते में ही एक और सीट जाएगी। इसी तरह असम के आंकड़ों को देखते हुए भी विपक्ष के खाते में एक सीट का इजाफा हो सकता है। फिलहाल जो मेंबर रिटायर हो रहे हैं, वे भाजपा और असम गण परिषद के सदस्य हैं। लेकिन विधानसभा का जो समीकरण है, उस लिहाज से चुनाव की स्थिति में एक सीट भाजपा को मिलेगी तो वहीं एक अन्य सीट कांग्रेस या फिर उसके सहयोगी को मिल सकती है।

इस तरह चुनाव के बाद राज्यसभा में विपक्ष की सीटें 91 हो सकती हैं, जो अभी 89 ही हैं। इसके अलावा एनडीए की सीटें जो फिलहाल 128 हैं, वे घटकर 126 ही रह सकती हैं। बता दें कि हरियाणा, दिल्ली और महाराष्ट्र जैसे कई राज्यों में चुनावी हार के बाद विपक्ष के लिए यह राहत भरी खबर होगी। दरअसल कई राज्यों के चुनावों में लगातार कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों को मात झेलनी पड़ी है। झारखंड को इसमें अपवाद के तौर पर देखा जा सकता है, जहां झामुमो की लीडरशिप में विपक्षी गठबंधन की सरकार बनी है।

जासूसी के आरोप में गिरफ्तार सीआरपीएफ जवान ने सैन्य ठिकानों के लोकेशन भेजे

नई दिल्ली। जासूसी के आरोप में पकड़ा गया सीआरपीएफ का जवान हमले से ठीक पहले तक पहलगाम में ही तैनात था। 22 अप्रैल को हुए हमले से 6 दिन पहले ही उसका ट्रांसफर हुआ था। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी गई है। आरोपी असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर मोती राम जाट को सोमवार को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया।मोतीराम पहलगाम में सीआरपीएफ की 116वीं बटालियन में तैनात था। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के मुताबिक आरोपी पाकिस्तान के खुफिया अधिकारियों को गोपनीय सूचनाएं दे रहा था। वह 2023 से ही पैसों के बदले देश के साथ गद्दारी कर रहा था। उसने पाकिस्तान को भारतीय सुरक्षा बलों की ऑपरेशनल जानकारी, मूवमेंट के तरीके और अहम सैन्य ठिकानों का लोकेशन भेज चुका था। गिरफ्तारी के बाद जवान को बर्खास्त कर दिया गया है। एनआईए के अधिकारी जासूसी के आरोपी जवान से पूछताछ में जुटे हैं। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि वह क्या-क्या गोपनीय जानकारी पाकिस्तान को दे चुका था और पाकिस्तान में किन-किन लोगों से संपर्क में था। वह कैसे पाकिस्तान का मोहरा बना यह भी पता लगाया जा रहा है। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए हमले में पाकिस्तानी आतंकवादियों ने 26 पर्यटकों को धर्म पूछकर मार डाला था। मृतकों में अधिकतर हिंदू थे। सीआरपीएफ के एक बयान के अनुसार जाट केंद्रीय एजेंसियों की रडार पर अपनी सोशल मीडिया एक्टिविटी की वजह से आया। सीआरपीएफ की ओर से बताया गया कि जाट को आगे की जांच के लिए एनआईए के हवाले कर दिया गया है। बयान में कहा गया है, इसके साथ ही, सीआरपीएफ नियमों के साथ संविधान के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत इस व्यक्ति को 21 मई से सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है।

दिल्ली-मुंबई के लिए चेतावनी, महाराष्ट्र समेत गोवा, कर्नाटक और केरल के लिए भी रेड अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेजी से आगे बढ़ रहे मानसून ने देश के कुछ हिंसा की चिंता भी बढ़ाई है। मॉनसून इस बार 12 दिन पहले ही महाराष्ट्र पहुंच गया। मुंबई में बारिश ने भारी तबाही मचाई है। भारी बारिश की वजह से मुंबई पानी से लबालब भर गई है। लोगों को घर से निकलना दूभर हो गया है। मौसम विभाग ने महाराष्ट्र समेत गोवा, कर्नाटक और केरल के लिए भी रेड अलर्ट जारी किया है। अगले 24 घंटे में इन राज्यों में भारी से भारी बारिश होने का अनुमान है। मुंबई में प्रशासन ने लोगों से घरों में ही रहने की अपील की है।

मौसम विभाग ने राजधानी दिल्ली के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। यहां तेज हवाओं के साथ मध्यम बारिश होने की संभावना है। आंधी-तूफान की संभावना के बीच दिल्ली के लिए हेजार्ड वॉर्निंग जारी की गई है। मंगलवार को दिल्ली में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। महीने के आखिरी में दिल्ली में बारिश हो सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि गुजरात में भी 30 मई तक बारिश की गतिविधियां देखने को मिलेंगी। कुछ जगहों पर तेज हवाएँ चलने

का अनुमान है। वहीं राजस्थान में अभी लू और भीषण गर्मी का सामना करना पड़ेगा। 28 मई के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है।

मौसम विभाग ने राजधानी दिल्ली और महाराष्ट्र के लिए हेजार्ड वॉर्निंगजारी की है। इसका मतलब तेज हवाओं और बारिश की वजह से काफी नुकसान होने की आशंका है। मौसम विभाग के मुताबिक 75 साल में पहली बार इतनी जल्दी मॉनसून मुंबई पहुंच गया है। मॉनसून इस बार तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुंबई में झमाझम बारिश के बाद मौसम विभाग का कहना है कि दिल्ली, चंडीगढ़ और हरियाणा में भी 40 से 50 किलोमीट की गति से चलने वाली हवाओं के साथ बारिश हो सकती है। कई जगहों पर बिजली गिरने की भी संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक मॉनसून के गति पकड़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। ऐसे में कर्नाटक और महाराष्ट्र में बारिश और तेज हो सकती है। मौसम विभाग की वैज्ञानिक सुषमा नायर ने कहा कि 75 साल में पहली बार इतनी जल्दी मॉनसून मुंबई पहुंच गया है। सोमवार को मॉनसून मुंबई में दस्तक दे चुका है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि भारी बारिश में किसी के भी हताहत होने की खबर नहीं है। उन्होंने कहा, हम अलर्ट मोड में हैं। बीएमसी, आर्मी और नेवी भी आपस में सहयोग से काम कर रही हैं। मुंबई में भारी बारिश के चलते लोकल ट्रेनों को नियंत्रित गति से चलाया जा रहा है। कुछ लोकल ट्रेनों को कुरला, दादर और परेल में ही रोक दिया गया।

शहबाज ने मुनीर को सौंपी चीनी सेना की तस्वीर, ओवैसी ने खोल दी पोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआईएमआईएम के प्रमुख एवं सांसद असदुद्दीन ओवैसी आजकल पूरी दुनिया में छाए हुए हैं। पाकिस्तान को आईना दिखाते हुए उनके कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। इसी बीच उन्होंने उस तस्वीर की पोल खोल दी जो पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सेना प्रमुख आसिम मुनीर को सौंपी है। ओवैसी ने जमकर मजाक उड़ाया है। उन्होंने कहा कि नकल करने की भी अकल चाहिए, जोकरों की ये जमात भारत से टक्कर लेना चाहती है। बता दें कि तस्वीर में दिख रहे रॉकेट लॉन्चर पीएचएल-03 हैं, जो चीन का मल्टीपल रॉकेट सिस्टम है। यह फोटो 2019 में चीनी फोटोग्राफर हुआंग हाई ने ली थी और पिछले पांच वर्षों में कई बार उपयोग हो चुकी है। वहीं भारत ने पाकिस्तान पर की गई सैन्य कार्रवाई के फोटो और वीडियो प्रमाण पहले ही सार्वजनिक कर दिए हैं।

ओवैसी यहीं नहीं रुके, उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, नकल करने के

लिए अकूल चाहिए। और इनके पास वो भी नहीं है! उन्होंने जनता को आगाह करते हुए कहा, पाकिस्तान जो भी कहे, उस पर नमक की एक चुटकी भी बर्बाद मत करो! दरअसल, पाक जनरल आसिम मुनीर को शहबाज शरीफ ने एक तस्वीर भेंट की, जिसमें दावा किया गया कि यह पाकिस्तान की भारत पर सैन्य कार्रवाई का हिस्सा है। यह दावा पूरी तरह से फर्जी निकला। वह तस्वीर 2019 में चीनी सेना की एक सैन्य ड्रिल की तस्वीर निकली। कुवैत में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने पाकिस्तान की एक और फजी कोशिश की बखिया उधेड़ दी। ओवैसी ने तंज कसते हुए कहा, पाकिस्तानी आर्मी चीफ ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को एक फोटो भेंट कीज ये जोकरों की जमात भारत से टक्कर लेना चाहती है! उन्होंने खुलासा किया कि वह तस्वीर दरअसल 2019 की चीनी सेना की एक सैन्य ड्रिल की थी, जिसे पाकिस्तान ने भारत पर कथित जीत के तौर पर दिखाया।

अब भारत नहीं आ पाएंगे पाकिस्तान के लोग, अफगानिस्तान की शुरु होगी आवाजाही

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने न्यू अफगान वीजा मॉड्यूल के तहत जो सेवा शुरू की है, उसके अनुसार ऐसे लोगों को ही वीजा मिलेगा, जिन्हें किसी तरह का इलाज कराना हो या फिर मरीज की तीमारदारी करनी हो। वहीं छात्रों, कारोबारियों, मेडिकल अटेंडेंट, यूएन डिप्लोमैट वीजा पर आने वाले लोगों को भी एंट्री दी जाएगी। इन वीजा के आवेदनों पर हर मामले को लेकर अलग-अलग फैसला लिया जाएगा। वहीं पहलगाम आतंकी हमले के बाद से पाकिस्तान के लोगों की एंट्री पर भारत सरकार ने बैन लगा रखा है। वीजा सेवाएं ठप कर दी गई हैं। इस बीच तालिबान से भारत के रिश्तों में सुधार को देखते हुए अफगानिस्तान के लोगों के लिए वीजा सेवाओं को शुरू किया गया है।

बीते माह विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अफगानिस्तान के अपने समकक्ष आमिर खान मुत्ताकी से बात की थी। वहीं तालिबान शासन ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की थी और कहा था कि इस लड़ाई में हम भारत के साथ हैं। दरअसल भारत और अफगानिस्तान के बीच चाबहार पोर्ट को लेकर भी साझेदारी है। वहीं इंटरनेशनल नॉर्थ साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर को लेकर भी दोनों देश मिलकर काम कर रहे हैं। यह कॉरिडोर भारत से लेकर ईरान, रूस होते हुए यूरोप को जोड़ने वाला है। इस तरह दो अहम प्रोजेक्ट्स में दोनों देश साथ हैं और पाकिस्तान के साथ दोनों के ही संबंध सहज नहीं हैं।

अफगानिस्तान के लोगों को वीजा आवेदन करने के लिए मौके की एक तस्वीर, पासपोर्ट की डिटेल्स और एक अन्य आईडी कार्ड पोर्टल पर सबमिट करना होगा। यह फैसला महत्वपूर्ण है क्योंकि बीते कुछ महीनों में तालिबान के साथ भारत के रिश्ते सामान्य हुए हैं। तालिबान ने भारत को भरोसा दिया है कि उसकी जमीन से आतंकी गतिविधियों को संचालित नहीं होने दिया जाएगा। वहीं पाकिस्तान से उसके रिश्ते खैबर पख्तूनख्वा में सक्रिय आतंकियों और डूरंड लाइन को लेकर सहज नहीं हैं। ऐसी स्थिति में भारत के साथ संबंध सुधार के अपने मायने हैं। भारत ने अफगानियों के लिए वीजा सेवा शुरू करके इसका संदेश भी दिया है।

द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 3 के साथ आ रहा वापस

कॉमेडियन और एक्टर कपिल शर्मा का सुपरहिट शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो वापस आ रहा है। नेटफ्लिक्स पर इसका तीसरा सीजन प्रसारित होगा। इस नए सीजन की शुरुआत 21 जून से होगी। कपिल की हंसी-मजाक और दिलचस्प बातचीत फिर से दर्शकों का मनोरंजन करेगी। इस मजेदार कॉमेडी शो में कपिल शर्मा के साथ उनके पुराने साथी सुनील ग्रोवर, कीकू शारदा, कृष्णा अभिषेक और हमेशा हंसती रहने वाली अर्चना पूरन सिंह भी नजर आएंगी, यानी इस बार के सीजन में कई जाने-पहचाने चेहरे फिर से दिखेंगे। इस

सीजन में नेटफ्लिक्स दुनिया भर के शो के सुपर फैंस को एक खास मौका दे रहा है। इस मौके के तहत फैंस शो के स्टेज पर आकर अपना हुनर दिखा सकते हैं। नए सीजन के बारे में बात करते हुए कपिल शर्मा ने कहा, नेटफ्लिक्स पर एक और सीजन के साथ वापस आना ऐसा लग रहा है जैसे मैं अपने परिवार के पास लौट आया हूं और इस बार हमारा परिवार और बड़ा हो रहा है! कपिल ने आगे कहा, इस सीजन हमने कोशिश की है कि शो में करियर, जिंदगी, परिवार, प्यार जैसी अलग-अलग बातों को दिखाया जाए और इन सबको मजेदार तरीके यानी कॉमेडी के जरिए लोगों तक पहुंचाया जाए। ताकि लोग हंसी के साथ-साथ जिंदगी की जरूरी बातों को भी समझें। उन्होंने कहा, सीजन 3 में हमारे मजेदार बातों और शानदार मेहमानों के अलावा, नेटफ्लिक्स और द ग्रेट इंडियन कपिल शो की टीम कुछ नया और खास लेकर आ रही है, ऐसा कुछ जो पहले नहीं हुआ था। हमें जो इतना प्यार मिला है, उसके बदले में हम इस बार अपने सुपर फैंस को खास मौका दे रहे हैं। अब लाइमलाइट उन पर होगी, उनकी कहानियां, उनकी खास बातें और उनका हुनर, सबकुछ उन्हें स्टेज पर पेश करने का मौका दिया जाएगा। इस आइडिया को लेकर कपिल शर्मा ने कहा, इस बार हमने सोचा कि क्यों न अपने फैंस को भी शो का एक मजेदार हिस्सा बना दिया जाए?

परेश रावल ने हेरा फेरी 3 के कानूनी पेंच पर की बात, कहा- वकील ने जवाब भेज दिया है

अभिनेता परेश रावल हेरा फेरी 3 से निकलने को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने अक्षय कुमार द्वारा फिल्म हेरा फेरी 3 से उनके अचानक बाहर निकलने पर कानूनी कार्यवाही शुरू की। इस पर परेश रावल ने बात की है। अक्षय कुमार हेरा फेरी 3 के निर्माता भी हैं। उन्होंने परेश रावल के फिल्म से बाहर निकलने पर केस किया था। रविवार की सुबह परेश रावल ने इस मामले पर ट्वीट किया। उन्होंने लिखा मेरे वकील अमीत नाइक ने मेरी मेरे फिल्म से बाहर निकलने के बारे में जवाब भेजा है। एक बार जब वे मेरा जवाब पढ़ लेंगे तो सभी मुद्दे शांत हो जाएंगे। अमीत नाइक को कई मामलों में अमिताभ बच्चन और अनिल कपूर का प्रतिनिधित्व करने के लिए जाना जाता है।

शुक्रवार को अक्षय कुमार के वकील ने परेश रावल के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू करने पर खुलकर बात की। परिनम लॉ एसोसिएट की संयुक्त प्रबंध भागीदार पूजा तिड़के ने पीटीआई को बताया मुझे लगता है कि इसके गंभीर कानूनी नतीजे होंगे। इससे निश्चित रूप से फ्रैंचाइज को नुकसान होगा। कलाकारों, क्रू, अभिनेताओं और ट्रेलर की शूटिंग पर खर्च किया गया है। अक्षय कुमार की तरफ से बताया गया कि परेश रावल को फिल्म में काम करने से पहले 11 लाख रुपये दिए गए थे। बीते कल बॉलीवुड हंगामा के हवाले से खबर आई कि अभिनेता परेश रावल को हेरा फेरी 3 के लिए साइनिंग अमाउंट के तौर पर 11 लाख रुपये मिले थे, जिसे उन्होंने 15 प्रतिशत प्रति वर्ष ब्याज के साथ जोड़कर वापस कर दिया है।

25 करोड़ का मुकदमा

आपको बता दें कि जब परेश रावन ने फिल्म हेरा फेरी 3 छोड़ने का ऐलान किया था, तब अक्षय कुमार की कंपनी केप ऑफ गुड फिल्म्स ने परेश रावल पर 25 करोड़ रुपये का मुकदमा दायर किया था। बताया गया कि इस फिल्म को अचानक छोड़ने के फैसले से फिल्म मेकर्स को काफी नुकसान हुआ है।

जब साजिद ने गौहर संग टूटी सगाई पर तोड़ी थी चुप्पी

साजिद खान की कभी गौहर खान से सगाई हुई थी, पर उनका रिश्ता टूट गया। साजिद खान ने एक बार इस टूटे रिश्ते की वजह अपनी गलतियों को बताया था। साजिद के मुताबिक, उन्होंने गौहर को धोखा दिया और कई लड़कियों को शादी के लिए पूछा था। जहां गौहर खान बिग बॉस 7 की विनर रही थीं, वहीं साजिद खान इसके 16वें सीजन में बतौर कंटेस्टेंट नजर आए थे। पर कभी दोनों रिलेशनशिप में थे। आज गौहर खान हैप्पी मैरिड लाइफ जी रही हैं और मां हैं, वहीं साजिद खान सिंगल लाइफ जी रहे हैं। लेकिन कभी गौहर खान और साजिद खान की सगाई हुई थी, और शादी होने वाली थी। पर बाद में उनका ब्रेकअप हो गया। साजिद ने एक बार एक इंटरव्यू में गौहर संग टूटे रिश्ते पर बात की थी, और ब्रेकअप की वजह बताई थी।

साजिद खान ने दूरदर्शन को दिए इंटरव्यू में बताया था कि वह और गौहर खान एक साल तक रिलेशनशिप में रहे। उन दोनों की सगाई भी हुई थी, जिसे मीडिया ने कवर किया था। साजिद ने ब्रेकअप के लिए अपनी गलतियों को जिम्मेदार ठहराया था।

साजिद खान बोले थे- हम एक साल तक साथ रहे

साजिद खान ने कहा था, हम एक साल तक साथ रहे। वह (गौहर खान) एक प्यारी लड़की है। मैं किसी शो में सार्वजनिक रूप से नाम लेना पसंद नहीं करता, लेकिन यह ठीक है क्योंकि दुनिया इसके बारे में जानती है। हमारी सगाई को मीडिया ने भी कवर किया था।

मैं झूठ बोल रहा था, हर लड़की को विल यू मैरी मी बोल रहा था

साजिद ने आगे कहा था, मेरा कैरेक्टर बहुत ढीला था। मैं बहुत लड़कियों के साथ बाहर घूम रहा था, उन्हें झूठ बोल रहा था। कभी कुछ ऐसी बदतमीजी नहीं की, लेकिन हर लड़की को आई लव यू और विल यू मैरी मी? बोलता था। अब तक मेरी कोई 350 शादी होनी चाहिए थी, लेकिन नहीं हुई। मुझे यकीन है कि मैं जितनी भी लड़कियों के साथ जिंदगी में था, कहीं ना कहीं वो मुझे थोड़ी मिस भी कर रही होगी और थोड़ी गाली भी देती होंगी।

गौहर खान के अफेयर, ब्रेकअप और शादी

साजिद खान ने सगाई टूटने के बाद गौहर खान ने रियलिटी टीवी शो की दुनिया में कदम रखा और बिग बॉस 7 के जरिए घर-घर में मशहूर हो गईं। शो में रहने के दौरान उन्हें को-कंटेस्टेंट कुशाल टंडन से प्यार हो गया और दोनों ने डेटिंग शुरू कर दी। हालांकि, शो के बाद उनका रिश्ता खत्म हो गया। बाद में गौहर को जैद दरबार से प्यार हो गया, जिनसे उन्होंने 2020 में शादी की और उनका एक बेटा जेहान है। अब गौहर दूसरे बच्चे की मां बनने वाली हैं।

फ्लाइट के दौरान सिगरेट जलाने पर ब्रिटनी स्पीयर्स को चेतावनी

लॉस एंजेलिस। पॉप आइकन ब्रिटनी स्पीयर्स को उनके व्यवहार के लिए उड़ान के दौरान फटकार लगाई गई है। कई स्रोतों ने पुष्टि की है कि अपने सुरक्षाकर्मियों के साथ काबो सान लुकास से लॉस एंजिल्स की यात्रा के दौरान गायिका ने शराब पी रखी थी और उड़ान के दौरान सिगरेट जलाई थी। सिंगर की ओर से संघीय विमानन नियमों का उल्लंघन किया गया है। सिंगर के इस बर्ताव से चार्टर प्लेन में मौजूद फ्लाइट अटेंडेंट घबरा गए, क्योंकि विमान में धूम्रपान करना वर्जित होता है। फ्लाइट अटेंडेंट की ओर से बताया गया कि स्पीयर्स ने सिगरेट बुझा दी। फिर भी, उड़ान के बीच में ही अधिकारियों से संपर्क किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, जब विमान उतरा तो अधिकारियों ने सिंगर से मुलाकात की और उन्हें उड़ान के दौरान ऐसे बर्ताव को लेकर चेतावनी दी। बाद में उन्हें जाने की अनुमति दे दी गई। एक सूत्र ने पोर्टल को बताया, यह पहली चेतावनी नहीं है। इससे पहले भी वह इस तरह की हरकत कर विवादों में फंस चुकी हैं। सूत्र ने आगे कहा, वह नियमों का ठीक से पालन नहीं करतीं। सार्वजनिक चार्टर ऑपरेटर जेएसएक्स, जिस पर स्पीयर्स सवार थीं, उसने इस घटना के संबंध में कोई टिप्पणी नहीं की, जबकि गायिका के प्रतिनिधि ने भी टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया। सिंगर के मानसिक स्वास्थ्य और व्यवहार को पहले भी कई बार लोगों ने नापसंद करते हुए नाराजगी जताई है। 2000 के दशक की शुरुआत में कई परेशान करने वाली घटनाओं के बाद मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के कारण स्पीयर्स 13 साल तक गार्डियनशिप के अधीन रहीं।

एक्ट्रेस प्रिया मोहन इस बीमारी से बेहाल, रोते हुए बोलीं- बेटे को गोद नहीं ले सकती, तौलिया नहीं लपेट सकती

साउथ फिल्म एक्ट्रेस प्रिया मोहन डेढ़ साल से दर्द में है और अपनी बीमारी का खुलासा किया है। प्रिया ने बताया वह फाइब्रोमायल्जिया से पीड़ित हैं और न तो बेटे को गोद में उठा सकती हैं और ना ही बालों पर तौलिया लपेट सकती हैं। मलयालम और तेलुगू एक्ट्रेस प्रिया मोहन इस वक्त एक गंभीर बीमारी से जूझ रही हैं, जिसके बारे में उन्होंने हाल ही खुलासा किया है। इसके कारण उनके पूरे शरीर में दर्द रहता है। वह न तो बालों पर तौलिया लपेट पाती हैं और ना ही बेटे को गोद में उठा पाती हैं। प्रिया मोहन ने बताया कि वह

फाइब्रोमायल्जिया से जूझ रही हैं। यह एक क्रॉनिक डिजीज है, जिसमें हर वक्त शरीर में दर्द, थकान और सिरदर्द रहता है। मूड स्विंग्स होते रहते हैं। प्रिया मोहन ने पति निहाल पिल्लई के साथ एक व्लॉग शेयर किया, जिसमें फाइब्रोमायल्जिया से अपनी लड़ाई का खुलासा किया है। प्रिया ने बताया कि डेढ़ साल तक उनका दर्द बढ़ता रहा, जिसे शुरू में अनदेखा कर दिया था। हालत इतनी खराब हो गई कि उन्हें बुनियादी काम करने में भी परेशानी होने लगी, जिससे डिप्रेशन और नींद न आने की समस्या हो गई।

डेढ़ साल तक दर्द बर्दाश्त करती रहीं प्रिया मोहन

प्रिया मोहन ने बताया कि वह डेढ़ साल तक असहनीय दर्द बर्दाश्त करती रहीं, और फिर पता चला कि उन्हें फाइब्रोमायल्जिया हुआ है। प्रिया मोहन के पति निहाल ने बताया कि डिप्रेशन के कारण उनके लक्षण और भी बदतर हो गए थे। प्रिया मोहन के गालों और आंखों के आसपास सूजन दिखने लगी थी। पर इसके बावजूद वह अपने कामों में बिजी रहीं और ट्रीटमेंट को प्राथमिकता नहीं दी। प्रिया मोहन अपनी इस तकलीफ के बारे में बताते हुए रो पड़ीं। वह बोलीं, मैं इतने दर्द में थी कि मैं अपने बेटे को उठा नहीं सकती थी या उसे खाना भी नहीं खिला सकती थी। मुझे ऊंची गाड़ी में चढ़ने में भी परेशानी होती थी। बिस्तर से उठने, कपड़े बदलने या अपनी पीठ खुजलाने के लिए भी मुझे किसी और की मदद की ज़रूरत पड़ती थी। मैं प्लेट या गिलास भी नहीं उठा सकती थी। मैं अकसर सोचती थी कि मुझे इस तरह क्यों जीना चाहिए।

आर. माधवन के नाम पर ऑनलाइन लूट रही थी महिला

एक्टर ने खोलकर रख दी पोल

ऑनलाइन दुनिया में ठगी के धंधे भी बहुत हैं। कई बार ठग सितारों का नाम लेकर ठगी करते हैं। ऐसा ही कुछ एक महिला आर. माधवन के नाम पर करने की फिराक में थी। मगर, एक्टर ने समय रहते महिला ठग की पोल खोल दी।

बड़े प्रोडक्शन हाउस और सुपरस्टार्स के नाम पर अक्सर मासूमों को ठगा जाता है। खासकर, वे लोग जो सिनेमा की दुनिया में करियर बनाने मायानगरी आते हैं। खुद को बड़े सितारों का मैनेजर बताकर न जाने ठग कितने ही मासूमों को अपने झांसे में फंसाते हैं। ऑनलाइन दुनिया में ऐसा ही एक महिला ठग अभिनेता आर. माधवन के नाम पर कर रही थी। मगर, एक्टर ने सूझबूझ दिखाई। पता चलते ही महिला की पोलपट्टी खोल दी।

माधवन ने लोगों को चेताया

अभिनेता आर. माधवन ने आज शनिवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर एक स्क्रीनशॉट शेयर किया है। यह श्रुति नैना नाम की एक प्रोफाइल का स्क्रीनशॉट है। इसके बायो में लिखा है, आर. माधवन की ऑफिशियल मैनेजर। एक्टर ने स्क्रीनशॉट में यह हिस्सा गोला लगाकर शेयर किया है। साथ ही लिखा है, फ्रॉड अलर्ट।

समय रहते किया लोगों को जागरुक

श्रुति नैना नाम की जिस प्रोफाइल का स्क्रीनशॉट शेयर किया गया है, इसके करीब सवा तीन सौ फॉलोअर्स हैं। एक्टर ने समय रहते महिला की असलियत लोगों के सामने खोलकर रख दी। साथ ही उन्हें एलर्ट भी कर दिया कि वे इस तरह के फ्रॉड से सावधान रहें।

माधवन का वर्क फ्रंट

माधवन के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें बीते दिनों फिल्म केसरी चैप्टर 2 में देखा गया। अक्षय कुमार और अनन्या पांडे के साथ माधवन अहम भूमिका में नजर आए। आर माधवन ने ब्रिटिश क्राउन के वकील नेविल मैकिनले का रोल निभाया है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया है। दर्शकों से भी फिल्म को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अमृता आर पंडित द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, बी- 868, न्यू अशोक नगर दिल्ली 110096 से मुद्रित तथा ए-115, गली नंबर 13, नई अशोक नगर, दिल्ली 110096 से प्रकाशित।
संपादक - अमृता आर पंडित, मो 8587969284, Mail ID - live18newsnetworktv@gmail.com सभी विवादों के न्याय क्षेत्र दिल्ली न्यायालय में होगा।